



जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtrdoot.com

# राष्ट्रदूत

Rashtrdoot

**Jaigarh Heritage Festival**

The largest cannon in the world installed at this formidable fort is a product of the cannon foundry that it once had on its premises. For close to 100 years, it has drawn tourists from all over the world.

**Social Media Ban for Children...**

Handing over a mobile to the child while feeding has become an acceptable way of life!

**International Mind-Body Wellness Day**

## चाचा-भतीजा फिर एक हों, यह नारा बार-बार क्यों फैंक रहा है अजित पवार खेमा?

**पहले अजित पवार की माँ ने यह बात फैलाई, फिर एन.सी.पी. के कई नेताओं ने इस सोच के समर्थन में बयान देना शुरू किया**

**-श्रीनन्द झा-**  
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 2 जनवरी। शरद पवार के नेतृत्व वाले एन.सी.पी. गुट के साथ फिर से जुड़ने की एन.सी.पी. (अजित पवार) की उत्सुकता पैदा करने वाली गतिविधियाँ आखिर बता रही हैं? महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव समाप्त हो गए हैं और अजित पवार, देवेन्द्र फडनवीस के नेतृत्व वाली सरकार में बड़े आराम एवं मजबूती के साथ उपमुख्यमंत्री भी बन गये हैं, जबकि एम.वी.ए. गठबंधन बुरी तरह परास्त हो गया है तथा टूटने के कगार पर है। ऐसी स्थिति में, अजित गुट पुनः एकीकरण के लिये आखिर दूत क्यों भेज रहा है? अजित की माँ आशा ताई ने सबसे पहले, आजमाइशी तौर पर, एन.सी.पी. के दोनों गुटों के फिर से एक हो जाने की जरूरत बताई थी। वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल, जो अजित के साथ हैं, ने तत्काल ही इस कोशिश का समर्थन किया और कहा कि अगर पवार परिवार एक बार फिर एक होता है तो वे "अत्यधिक प्रसन्न" होंगे। पटेल ने तो शरद पवार को "अपना देवता" बताया। महाराष्ट्र के चौका देने वाले चुनावी

- पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल, जो अब अजित पवार के साथ हैं, ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी होगी, अगर पवार परिवार पुनः एक होता है, क्योंकि शरद पवार उनके लिये कुल देवता के समान है।
- एन.सी.पी. विधायक नरहरि जिरवाल ने कहा, उन्होंने अजीब लगा जब वे शरद पवार को छोड़कर आये। अतः वे शरद पवार व अजित पवार से आग्रह करते हैं कि वे एक हो जायें।
- एन.सी.पी. के प्रवक्ता अमोल मिटकरी के अनुसार, थोड़ा प्रयास हो दोनों तरफ से तो यह जरूर संभव है।
- अजित पवार गुप से यह चर्चा शुरू करने का शायद यह मकसद है कि अजित पवार इसे मौका मानते हैं कि वे संयुक्त एन.सी.पी. के एकछत्र नेता बन सकते हैं, क्योंकि अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम पड़ाव में शरद पवार संयुक्त एन.सी.पी. के संभावित मार्गदर्शक बनना पसंद कर लें।
- दूसरी संभावना है कि अजित पवार का यह कदम भाजपा द्वारा प्रेरित है, "ऑपरेशन लोटस" के तहत।
- तीसरी संभावना यह जताई जा रही है कि कहीं यह सारा "नाटकीय सोच" स्वयं शरद पवार ही तो नहीं चलवा रहे।

जनादेश के बाद, जहाँ एम.वी.ए. पार्टी, जिनमें एन.सी.पी. (एस.पी.) भी शामिल है, पूरी तरह से हताश हो गये हैं, वहीं अजित गुट संभवतः ऐसे अवसर की तलाश में है कि अजित पवार, अपने वयोवृद्ध चाचा के आशीर्वाद से एकीकृत

**सतीश शर्मा**  
राजस्थान के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त बने



**सतीश शर्मा**  
जयपुर (कांस), 2 जनवरी। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने आदेश जारी कर राजस्थान के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार सतीश शर्मा को सौंपा है। वे वर्तमान में पी.सी.सी.आई.टी. (ओ.एस.डी.) और पुणे रीजन के महानिदेशक आयकर अन्वेषण के पद पर सेवाएं दे रहे हैं। वर्ष 1989 बैच के आई.आर.एस. अधिकारी सतीश शर्मा पूर्व में भी सहायक आयुक्त, उपायुक्त, संयुक्त आयुक्त और केन्द्रीय (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## ओवैसी ने पूजा-स्थल कानून के क्रियान्वयन के लिए याचिका दायर की

**सुप्रीम कोर्ट ने ओवैसी की याचिका सुनवाई के लिए स्वीकार की**

- जाल खंबाता -  
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -  
नई दिल्ली, 2 जनवरी। प्लेसेज ऑफ वरिष्प (स्पेशल प्रोवीजन्स) एक्ट 1991 के क्रियान्वयन की मांग करने दे दी है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार ने आदेश दिया है कि ओवैसी की याचिका को जमीयत उलेमा-ए-हिंद द्वारा दायर याचिका के साथ संलग्न कर दिया जाए।
- चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बैंच ने याचिका को इस मसले पर दायर अन्य याचिकाओं के साथ संलग्न करने के आदेश दिए।
- इस मसले पर अगली सुनवाई फरवरी में होने की संभावना है।

वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहाद-उल मुसलमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सहमति

## श्वानों के नोचने से बच्ची की मौत पर रिपोर्ट तलब

जयपुर, 2 जनवरी। राज्य मानवाधिकार आयोग ने खैरथल में श्वानों के नोचने से सात साल की बालिका की मौत को मानवा के लिए कलंक बताया है। इसके साथ ही आयोग ने मामले में स्वप्रेरणा से प्रसन्नान लेते हुए स्थानीय कलेक्टर और नगर परिषद आयुक्त से तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब कर पीडित पक्ष को हर्जाना देने को कहा है। आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने यह आदेश इस संबंध में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स

- राज्य मानवाधिकार आयोग ने खैरथल की घटना पर प्रसन्नान लिया।
- पर प्रसन्नान लेते हुए दिए। आयोग ने कहा कि दम कल्याणकारी राज्य में रह रहे हैं, जहां राज्य का दायित्व है कि वह प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराए। इस घटना से साबित है कि संबंधित अधिकारी अपने विधायी दायित्वों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं। स्थानीय निकायों की ओर से आवारा पशुओं एवं कुत्तों को कांजी हाऊस में बंद (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## जे.ई.ई. मेन परीक्षा की तारीख घोषित

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -  
नई दिल्ली, 2 जनवरी। नेशनल टैस्टिंग एजेंसी (एन.टी.ए.) ने जे.ई.ई. मेन परीक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की है। यह देश की

- नेशनल टैस्टिंग एजेंसी ने अधिसूचना जारी की, जिसके अनुसार जनवरी माह की 22, 23, 24, 28 और 29 को बी.ई. और बी.टैक की प्रवेश परीक्षाएं होगी।

सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा है। अधिसूचना के अनुसार, बी.ई. और बी.टैक के लिए मुख्य परीक्षा जनवरी माह की 22, 23, 24, 28 और 29 तारीख को होगी।

## संभल जामा मस्जिद सर्वे रिपोर्ट अदालत में पेश

संभल, 02 जनवरी। संभल की जामा मस्जिद के सर्वे के लिए अदालत द्वारा नियुक्ति किए गए कोर्ट कमिश्नर

- इस सर्वे के दौरान संभल में भारी उपद्रव हुए थे, जिसमें पांच लोगों की मौत हुई।

ने अपनी रिपोर्ट गुजरात को स्थानीय अदालत में दाखिल कर दी है। कैलादेवी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)



आयकर विभाग ने जयपुर में संचालित उत्कर्ष कोचिंग सेंटर पर छापेमारी की कार्यवाही की।

## उत्कर्ष कोचिंग सेंटर पर आयकर विभाग की देशभर में छापेमारी

**जोधपुर, जयपुर, कोटा, अजमेर, इंदौर व प्रयागराज समेत कई सेंटर्स पर गुरुवार सुबह आयकर टीमों ने एक साथ दबिशा दी**

-कार्यालय संवाददाता-  
जोधपुर/जयपुर, 2 जनवरी। आयकर विभाग ने उत्कर्ष कोचिंग सेंटर और इससे जुड़े ठिकानों पर गुरुवार सुबह देशभर में रेड की। सिविल सर्विसेज की तैयारी करवाने वाले उत्कर्ष कोचिंग के जोधपुर, जयपुर, कोटा, अजमेर, इंदौर व प्रयागराज समेत अधिकतर सेंटर्स पर गुरुवार सुबह 6 बजे आयकर टीमों ने एक साथ दबिशा देकर तलाशी की कार्यवाही शुरू की। बताया जा रहा है कि आयकर टीमों ने बड़े पैमाने पर दस्तावेज, कम्प्यूटर के हार्ड डिस्क जब्त किए हैं।

- सूत्रों की मानें तो आयकर विभाग को शिकायतें मिली थी कि उत्कर्ष कोचिंग समूह और फिजिक्स वाला के बीच कुछ महीनों पहले 800 करोड़ रु. की पार्टनरशिप को लेकर बड़ी डील हुई थी। इसके बाद उत्कर्ष के प्रबंधन में फिजिक्स वाला की इन्वॉल्वमेंट बढ़ी और बड़े पैमाने पर अघोषित लेन-देन हुआ।
- आयकर टीमों ने उत्कर्ष समूह के साथ-साथ इससे जुड़े बड़े बैंड्स के ठिकानों पर भी तलाशी की कार्यवाही की अंजाम दिया।

## होसुर में फील्ड एयरपोर्ट निर्माण की योजना मुश्किल में पड़ी

**तमिलनाडु सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का विरोध कर रहे हैं, स्थानीय किसान**

- लक्ष्मण बैंकट कुची -  
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -  
नई दिल्ली, 2 जनवरी। तमिलनाडु सरकार का प्रस्ताव होसुर के किसानों ने दुकरा दिया है। बैंगलोर से सटे तमिलनाडु के शहर में एक एयरपोर्ट बनने का प्रस्ताव है।
- तमिलनाडु सरकार बैंगलोर से सटे होसुर में 2000 एकड़ जमीन में एयरपोर्ट बनाने की तैयारी में है। क्षेत्र के सात गाँवों के किसान इसके विरोध में लामबंद हो गए हैं। उन्हें डर है कि इससे उनकी खेती नाट हो जाएगी।
- तमिलनाडु सरकार औद्योगिक टाउन होसुर में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाकर इस क्षेत्र में परिवहन सुगम करना चाहती है और बैंगलोर का रुख करने वाले उद्यमियों को अपनी तरफ आकर्षित करना चाहती है।

डर है कि एयरपोर्ट बनने से डेनकानिकोट्टाई और होसुर बैल्ट के 7 गांवों के खेत प्रभावित होंगे। इसके अलावा इससे जीविका व खेती करने की स्थिति पर भी चिंता बढ़ गई है। किसानों को यह भी डर है कि कई अन्य गांव जो विकास की दलों के आगे झुक गए थे और उन्हें परेशानी झेलनी पड़ी वैसे ही इन्हें भी झेलनी पड़ेगी। क्योंकि रोजगार

# 'डॉ. अंबेडकर 2 जनवरी, 1940 को आर.एस.एस. की सतारा जिले की कराड़ में आयोजित शाखा देखने गये थे तथा स्वयंसेवकों को संबोधित किया'

- डॉ. सतीश मिश्रा -  
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -  
नई दिल्ली, 2 जनवरी। स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों को अपना बनाने के एक और गूढ़ एवं चिकने-चुपड़े "अपनाव अभियान" (ऑपरेशन अप्रोप्रिएशन) के अन्तर्गत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक की मीडिया विंग ने आज दावा किया कि संविधान के मुख्य शिल्पी, डॉ. भीमराव अंबेडकर 1940 में महाराष्ट्र के सतारा जिले की एक "शाखा" में आये थे।

**आर.एस.एस. की सहयोगी इकाई विश्व संवाद केन्द्र ने ये दावा किया और यह भी कहा कि पुणे से प्रकाशित अखबार "केसरी" में यह खबर 9 जनवरी 1940 के अंक में छपी भी है**

- विश्व संवाद केन्द्र ने संघ के विचारक दत्तोपंत ठेंगडी की पुस्तक "डॉ. अंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्रा" का भी जिक्र किया। पुस्तक के आठवें चैप्टर में लिखा है कि 'संघ के स्वयंसेवक व डॉ. अंबेडकर नियमित संपर्क में थे तथा काफी वैचारिक मंथन करते थे।
- विश्व संवाद केन्द्र के अनुसार, महात्मा गांधी भी 1934 में आर.एस.एस. के वर्धा में आयोजित कैम्प को देखने गये थे और उन्होंने विजिट के बाद कहा, "पहली बार स्वयं अनुभव किया, उस शिविर में कोई भी स्वयंसेवक न उनकी और न किसी अन्य की जात जानने का इच्छुक था। दूसरे दिन उन्होंने संघ के संस्थापक हेडगेवार से भेंट की और उन्हें बधाई दी, अस्पृश्यता के विरुद्ध चलाये गये आंदोलन का सफलता से क्रियान्वयन करने के लिये।
- यह भी सोच चर्चा में है कि विश्व संवाद केन्द्र की यह गतिविधि, चार दशक पूर्व फाइनल किए गए सुनियोजित प्लान के तहत हो रही है, तब संघ ने यह निश्चय किया था कि स्वतंत्रता की लड़ाई के नायकों को जैसे शाहीद भगतसिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, राम प्रसाद बिस्मिल व कांग्रेस के बीच दूरी पैदा कर इन क्रांतिकारियों पर कांग्रेस का एकाधिकार समाप्त किया जाय।

के विचारक दत्तोपंत ठेंगडी की लिखी पुस्तक "डॉ. अंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्रा" का हवाला भी दिया है। यह पुस्तक आर.एस.एस. और डॉ. अंबेडकर के बीच के सम्बन्ध के बारे में बताती है। इस पुस्तक के आठवें अध्याय के प्रारंभ में, ठेंगडी कहते हैं कि डॉ. अंबेडकर को आर.एस.एस. की पूरी जानकारी थी। इसके स्वयंसेवक उनके नियमित सम्पर्क में थे तथा वे उनसे चर्चा किया करते थे।

## विचार बिन्दु

मैं ही आग हूँ, मैं ही कूड़ा-करकट। अगर मेरी आग कूड़ा-करकट जलाकर भस्म कर दे तो मैं अच्छा जीवन पाऊँगा। -खलील जिब्रान

# रेवड़ियां बांटना, वोट मांगना व वायदा करना लोकतंत्र के लिये अभिशाप है

आप (AAP) सरकार यानी सी एम आतिशी और आप संयोजक केजरीवाल की दो याजनायें, एक है महिला सम्मान योजना है, जिसके माध्यम से 18 वर्ष अधिक की आयु की महिलाओं को 1000/- रुपये प्रति माह देने की घोषणा है और केजरीवाल ने गारण्टी दी है कि उनकी सरकार बनी तो 21000/- रुपये प्रतिमाह दिये जायेंगे। दूसरी योजना का नाम है 'संजीवनी योजना' जिसके द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त इलाज व मुफ्त परीक्षण प्राप्त होगा। दिल्ली विस चुनाव से पहले ये दोनों योजनायें प्रचारित हुई हैं।

महिला सम्मान योजना के कारण सिपायों घमासान तेज हो गया है। राजनीति में भूचाल आ गया है। इस योजना के कारण एलजी वी के सम्बन्ध में जांच के आदेश दे दिये हैं। उपराज्यपाल सम्बन्ध में मुख्य सचिव व पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर योजना के नाम पर गैर सरकारी लोगों द्वारा जनता का डेटा इकट्ठा करने की जांच व कानून के अनुसार कार्यवाही के आदेश दिये हैं। इसके अतिरिक्त एलजी के प्रधान सचिव ने पंजाब से कैश ट्रान्सफर के आरोपी की भी जांच के निर्देश दिये हैं तथा कांग्रेस के सम्भावित उम्मीदवारों के घर पर पंजाब सरकार के खुफिया कर्मियों की मौजूदगी के आरोप की भी जांच के निर्देश दिये हैं।

जांच की रिपोर्ट 3 दिन में पुलिस से मांगी गई है। एलजी ने दिल्ली के सीएम को इस प्रकार का मुख्य निर्वाचन कार्यालय के द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के संज्ञान में लाने को कहा गया है, क्योंकि इनका प्रचार चुनाव से पूर्व हो रहा है। इस प्रकार का आदेश वस्तुतः कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित की शिकायत पर हुआ है। यहां यह लिखना भी समीचीन प्रतीत होता है कि एलजी ने यह भी निर्देश दिया है कि ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध कार्यवाही हो जो लाभ दिलाने के नाम पर नागरिकों के व्यक्तिगत विवरण ले रहे हैं, क्योंकि ऐसा करना गोपनीयता का उल्लंघन है।

कांग्रेस व भारतीय जनता पार्टी दोनों ने आप की इस योजना पर कई प्रश्न उठाये हैं। दिल्ली के अफसरों ने अखबार में विज्ञापन देकर कहा है कि दिल्ली सरकार ऐसी कोई योजना नहीं चला रही है।

अरविन्द केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एलजी पर आरोप लगाया है और अपने स्वयं पर आरोपों का उत्तर दिया है। उन्होंने कहा हमने कहा था कि महिला सम्मान योजना में 21000/- रुपये हर महीने देंगे। केबिनेट ने 10000/- रुपये देने की योजना पास की थी। उनकी दूसरी योजना बुजुर्गों को फ्री इलाज की थी।

केजरीवाल का कहना है कि आम आदमी पार्टी व उनकी योजनाओं के कारण भाजपा घबरा गई है। उनकी नींद उड़ गई है। बीजेपी समझ चुकी है कि वह तो हारने वाली है भाजपा की 3-4 सीटों से अधिक सीटें नहीं आयेगीं। अतः उसका यह इरादा है कि आप की सभी जन हितेषी योजनाओं को बंद करा देना चाहते हैं। भाजपा उनकी महिला सम्मान योजना, फ्री बस सेवा, फ्री बिजली-पानी योजना आदि बंद कराना चाहती है। आरोप है कि भाजपा तो आप की सभी योजनाओं को बंद कराना चाहती है। केजरीवाल मानते हैं कि उनकी योजनाओं से लाखों लोगों को लाभ हुआ है।

संदीप दीक्षित नेता कांग्रेस का कहना है कि वे तो सत्य के साथ खड़े हैं। पैसे देकर वोट मांगना चुनाव कानूनों में अपराध है और यों भी लोकतंत्र के लिये यह अभिशाप है।

एक और घटना चक्र है, जहां प्रवेश वर्मा महिलाओं को 11000/- रुपये दे रहे हैं। उनका कहना है उनके पास गरीबों की सहायता करने का फण्ड है, उसका कोई संबंध किसी राजनैतिक पार्टी से नहीं है। हां, वे भाजपा के पक्ष के व्यक्ति हैं। परंपर भाजपा के नेताओं का नाम है पैसा वास्तव में वोट देने के हेतु ऐसा कहा जा रहा है। एक अन्य घटना का भी यहां उल्लेख करना उचित होगा कि केजरीवाल कांग्रेस से कहते हैं 'माखन को निकालो नहीं तो 'आप' इण्डिया बन्धन से अलग हो जावेगी। यह स्पष्ट करता है केजरीवाल व राहुल में आमने सामने की लड़ाई है।

यहां प्रश्न है क्या यह योजना केजरीवाल जी की व्यक्तिगत है अथवा आम आदमी पार्टी (आप) की? अथवा सरकारी स्वीकृति से है यह स्पष्ट नहीं है। दिल्ली की सीएम इस बाबत मौन हैं। केजरीवाल जी कहते हैं कि वे पैसे की कमी नहीं आने देंगे। क्या इससे यह मान लेना चाहिये कि उनकी स्थिति जामिन की है। बीजेपी केजरीवाल पर आरोप लगा रही है वे फ्रीबीज देने हेतु वायदा ही करते हैं, देते नहीं हैं।

आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है। राजनीति में चर्चा है कि पंजाब में केजरीवाल की पार्टी ने वायदों के अनुसार पेमेन्ट नहीं किया। अतः अन्य राजनीतिक पार्टियां कहती हैं कि उन पर भरोसा करना कठिन है। केजरीवाल की पार्टी ने इमामों को वेतन देने का वायदा किया था; किन्तु 17 माह से पेमेन्ट नहीं किया। केजरीवाल ने अपने स्टेटमेंट में कहा है कि उनकी योजना है कि 'युवाजी-ग्रन्थी सम्मान' की राशि रुपये 18000/- प्रतिमाह दी जावे। उनका आरोप है कि बीजेपी इस योजना को रोकना चाहती है। दिनांक 31.12.2024 से रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ हो चुका है। यह राशि चुनाव में जीतने के बाद प्रतिमाह दी जावेगी। यहां प्रश्न है क्या यह योजना केजरीवाल जी की व्यक्तिगत है अथवा आम आदमी पार्टी (आप) की? अथवा सरकारी स्वीकृति से है यह स्पष्ट नहीं है। दिल्ली की सीएम इस बाबत मौन हैं। केजरीवाल जी कहते हैं कि वे पैसे की कमी नहीं आने देंगे। क्या इससे यह मान लेना चाहिये कि उनकी स्थिति जामिन की है। बीजेपी केजरीवाल पर आरोप लगा रही है वे फ्रीबीज देने हेतु वायदा ही करते हैं, देते नहीं हैं। केजरीवाल जी ने फ्रीबीज की पोर्टली खल दी है। वे रिश्ता चालकों का बीमा करायेंगे, लड़कियों की शादी में सहयोग देंगे तथा दलित छात्रों को शिक्षा हेतु विदेश भेजेंगे। जनता हित में यदि हो तो अवश्य करें। आपत्ति यह है कि फ्रीबीज की घोषणायें चुनाव के समय ही क्यों होती हैं?

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 जिसे साधारण भाषा में चुनाव कानून कहते हैं, उसके प्रावधानों के अनुसार पैसे देकर वोट लेना अपराध है। पैसे से वोट खरीदना अनैतिक आचरण है, क्योंकि हम लोकतंत्र के नागरिक हैं और संविधान के अनुच्छेद 51 क में दिये गये कर्तव्यों की पालना करना हमारा पावन कर्तव्य है। पैसे देकर वोट खरीदना चुनावी दुराचरण है और इस कारण यदि चुनाव का रिजल्ट प्रभावित हुआ है तो चुनाव निरस्त भी हो सकता है। चुनाव कानून 1951 की धारा 123 में चुनावों से संबंधित अपराध आते हैं।

धारा 123 में Bribe (रिश्तव) को परिभाषित किया गया है वह संक्षेप में इस प्रकार है:- "कोई उम्मीदवार, उसका एजेंट या उसकी सहमति से कोई अन्य व्यक्ति, किसी व्यक्ति को वोट देने या न देने के हेतु प्रभावित करने हेतु उपकार या वायदा जिसका उद्देश्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उसे प्रेरित करना हो किसी निर्वाचक को चुनाव में मतदान करने या न करने के लिये परहेज करने के लिये।"

यदि कानूनी रूप से इस प्रावधान की व्याख्या की जावे तो रेवड़ी बांटना, वायदा करना और वोट मांगना यह चुनावी अपराध है और अनैतिक आचरण है। कानून के लोग यह मानते हैं कि वायदा पूरा न करने पर सजा होनी चाहिये। कुछ मानते हैं सुप्रीम कोर्ट को संज्ञान लेकर फ्रीबीज को चुनाव निरस्त करने का कारण मानना चाहिये। मुफ्त की रेवड़ी बांटकर देश को खोखला किया जा रहा है। प्रारम्भ में जब कानून बना था वोट की चोरी होती थी, चोरी छिपे पैसे दिया जाता था, किन्तु अब तो पकड़े जाने पर शर्म भी नहीं आती।

अभी तक 'आप' के अतिरिक्त किसी पार्टी ने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी नहीं की है। यहां उम्मीदवार का नाम जिसके लिये वोट अपेक्षित है, स्पष्ट है। जनता अपील करती है रेवड़ियां बांटना बंद हो। चुनाव Fair व Free हों।

बीजेपी का आरोप है कि केजरीवाल रेवड़ी बांटने में माहिर हैं, वे वायदे करने में भी सिद्धहस्त हैं। अन्य राजनीतिक पार्टियां यदि उनके पद चिन्हों पर न चले तो अच्छा होगा। देश हित में होगा जनता सब समझती है। जनता सभी रेवड़ी बांटने (फ्रीबीज) वाले से पूछना चाहती है, आप फ्रीबीज दे रहे हैं परन्तु समझाओ पैसा कहाँ से लायेंगे, वायदे की गारण्टी पूरा करने के लिये आपके पास अपनी प्रोपर्टी कहाँ है? क्या सरकारी खजाने से पेमेन्ट करेंगे? जनता केजरीवाल से पूछना चाहती है, आप यह वायदा राज्य की मुख्यमंत्री से क्यों नहीं करवाते? वे जानते हैं यदि मुख्यमंत्री पुजारी-ग्रन्थी, टीचर्स, इमाम से वायदा करती हैं, यह जानते हुये कि सरकार की पूंजी की वे टुट्टी हैं तो सम्भवतः यह केस Fraud (धोखे) का बन सकता है। धोखा जिसे पूर्व कानून में 420 कहा गया था।

जैसा ऊपर लिखा कि एलजी ने जांच की रिपोर्ट पुलिस से मांगी थी। रिपोर्ट पोजिटिव आई है। केस चलेगा। वह सब कुछ बही होगा, जो न्याय संगत होगा।

फ्रीबीज की प्रेक्टिस बंद भी चुनाव के समय, कानून बनाकर प्रतिबंधित की जानी चाहिये। देने वाले को चुनाव लड़ने से Disqualify किया जावे।

चुनाव Fair व Free हो जनता की पुकार है। भारत के लोकतंत्र की जय हो!

-अतिथि सम्पादक,  
पानाचन्द्र जैन  
पूर्व न्यायाधीश, राजस्व हाई कोर्ट

# राजसखी सरस राष्ट्रीय मेला और जीआई-टैग



डॉ. अरुणा व्यास

कुछ दिन पहले जवाहर कला केंद्र में राजसखी सरस राष्ट्रीय मेला-2024 का आयोजन हुआ। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए कोई दौसौ से अधिक स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के उत्पाद प्रदर्शित हुए। देशभर के प्रांतों के हस्तशिल्प, हुनर उत्पाद और वस्त्र आदि का प्रदर्शन इस दौरान हुआ।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद द्वारा आयोजित मेला सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास कहा जा सकता है। मेले

में विभिन्न राज्यों के पारंपरिक हस्तशिल्प, हैंडलूम, खाद्य उत्पाद, और उन्नत तकनीकी उत्पादों को देखकर यह भी अनुभूत हुआ कि हरेक राज्य की अपनी विशेषता, रहन-सहन, खान-पान और हस्तशिल्प उत्पाद हैं। मेले में विभिन्न राज्यों की महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा प्रदर्शित उत्पादों की मुख्य थीय इस बार जीआई-टैग उत्पाद रही। ग्रामीण क्षेत्रों और हुनर से जुड़े विशिष्ट उत्पादों के लिए जीआई-टैग की सोच बहुत महत्वपूर्ण है। जीआई टैग का अर्थ है उत्पाद की भौगोलिकता के बारे में पता चलना।

भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य के रूप में वस्तुओं के भौगोलिक संकेत के लिए जीआई टैग की शुरुआत की। यह उत्पाद के स्थान विशेष पर ही उत्पादित होने की बौद्धिक संपदा अधिकारी की रक्षा करता है। यह असल में संकेतक है, जिसका उपयोग एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र से उत्पन्न होने वाली विशेष विशेषताओं वाले वस्तुओं और उत्पादों को पहचान प्रदान करने के लिये किया जाता है। परिसर कन्वेंशन के अनुच्छेद 1 (2) और 10 के तहत यह निर्णय लिया गया और यह भी कहा गया कि आधिकारिक संपत्ति और भौगोलिक संकेत का संरक्षण बौद्धिक संपदा के तत्व है। यह मुख्य रूप से कृषि, प्राकृतिक या हस्तशिल्प और औद्योगिक सामान है। एक बार भौगोलिक संकेतक का दर्जा प्रदान कर दिये जाने के बाद कोई अन्य निर्माता समान उत्पादों के विपणन के लिये इसका नाम का दुरुपयोग नहीं कर सकता है। यह टाहकों को उस उत्पाद की प्रामाणिकता के बारे में भी सुविधा प्रदान करता है। किसी उत्पाद का भौगोलिक संकेतक यानी जीआई टैग अन्य पंजीकृत भौगोलिक संकेतक के अनधिकृत उपयोग को रोकता है। जीआई टैग असल में "ऐसी पहचान है जो किसी वस्तु को उसके उत्पादक सदस्य के क्षेत्र या उस क्षेत्र में किसी क्षेत्र या इलाके में उत्पन्न होने के रूप में पहचानते हैं। जहां वस्तु की दी गई गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य विशेषता अनिवार्य रूप से उसके भौगोलिक मूल के कारण होती है। जीआई टैग अधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में पंजीकृत लोगों के अलावा किसी और को लोकाप्रीय उत्पाद का नाम इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देता है। इसका बड़ा उदाहरण है-दाजिलिंग चाय।"

जीआई टैग पाने वाला भारत का

पहला उत्पाद दाजिलिंग चाय रहा है। दाजिलिंग टी (चाय) को 2004 में पहला जीआई टैग मिला। दाजिलिंग चाय, महाबलेश्वर स्टूबेरी, जयपुर के ब्लू पांटेरी, बनारसी साड़ी, बीकानेर के भूशिया-पापड़, बासमती चावल, चंदेरी फैब्रिक, मैसूर सिल्क, कुल्लू शॉल, फर्रुखाबाद प्रिंट, लखनऊ रजदोजी आदि बहुत से उत्पादों को उनके स्थान के नाम से जाना जाता है। चंदेरी फैब्रिक, मैसूर सिल्क, कुल्लू शॉल, कांगड़ा चाय, तंजावूर एंब्रोइड, कश्मीर केसर और कश्मीर अखरोट की लकड़ी की नक्काशी आदि जीआई टैग लिए हैं। उत्पादक के हितों के संरक्षण के साथ ही यह उपभोक्ता को भी शुद्ध उत्पाद, जहां यह होता है-उसकी गारंटी देता है।

जीआई टैग पाने के लिए, कोई भी व्यक्ति, संगठन या राज्य सरकार के अंतर्गत कोई वैध संगठन आवेदन कर सकता है। इससे अंतर्गत उत्पाद या सामान पंजीकरण की उचित प्रक्रिया है। इसमें आवेदन दाखिल करना, प्रारंभिक जाँच और परीक्षा, भौगोलिक संकेत पत्रिका में प्रकाशन, पंजीकरण शामिल है। कानून द्वारा या उसके तहत स्थापित व्यक्तियों, उत्पादकों, संगठन या प्राधिकरण का कोई भी संघ आवेदन कर सकता है। यह जरूरी है कि आवेदक को उत्पादकों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाला होना चाहिए। जीआई टैग मिला 10 साल की अवधि के लिए वैध होता है। इसे समय-समय पर 10-10 वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए नवीकृत किया जा सकता है। यदि एक जीआई टैग का नवीनीकरण नहीं किया जाता है, तो उसे रजिस्टर से हटाया जा सकता है। ट्रेडमार्क और जीआई में फर्क है। ट्रेडमार्क एक ऐसा संकेत है जिसका उपयोग व्यापार के दौरान किया जाता है और यह एक उद्यम की वस्तुओं या सेवाओं को अन्य उद्यमों से अलग करता है। जबकि, जीआई एक संकेत है जिसका उपयोग एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र से उत्पन्न होने वाली खास विशेषताओं वाले सामानों की पहचान करने के लिए किया जाता है।

राजस्थान में इस बार राजसखी मेले के अंतर्गत पंच महिला स्वयं सहायता समूह के उत्पाद प्रदर्शित हुए, वह सभी अपने क्षेत्र की विशेषताओं से जुड़े थे। जीआई उत्पादों के एक छत के नीचे भारत पर से अद्वितीय उत्पादों को यहाँ प्राप्त किया जा सकता था।

-डॉ. अरुणा व्यास की टिप्पणीकार

# एक राष्ट्र-एक चुनाव: अवसर और चुनौतियां



राम शर्मा

सकते हैं, वे भी नहीं हो पाते। इसलिए एक एकीकृत राष्ट्रीय चुनाव प्रक्रिया पर लंबे समय से विचार हो रहा था। इस एकीकृत चुनाव प्रक्रिया को ही आमतौर पर एक राष्ट्र- एक चुनाव के रूप में जाना जाता है। एक राष्ट्र- एक चुनाव देश के लिए अवसर और चुनौती दोनों ही हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ आर्थिक बचत है। भारत में नियमित आधार पर चुनाव होने से इस पर बहुत ज्यादा सार्वजनिक धन का व्यय होता है। इन चुनावों को एक साथ कराकर सरकार लाखों करोड़ रुपये बचा सकती है, जिसका एक बड़ा हिस्सा विकास गतिविधियों की ओर लगाया जा सकता है।

भारत में लगभग हर साल अलग-अलग स्तरों पर चुनाव होते हैं, जिससे मतदाता भी उदासीन हो जाते हैं। मतदाता, उम्मीदवार और राजनीतिक दल अक्सर लगातार प्रचार के चक्र में फंस जाते हैं। एक साथ चुनाव कराने से इस उदासीनता को कम करने में मदद मिल सकती है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि चुनावी गतिविधियां अधिक केंद्रित हों और शासन के लिए कम व्यवधानकारी हों। इसके अतिरिक्त, इससे मतदाता मतदान में वृद्धि हो सकती है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां चुनाव एक सतत प्रक्रिया हैं। लोकसभा चुनाव खत्म होते हैं तो विधानसभा चुनाव, फिर शहरी निकायों के चुनाव और ग्राम पंचायतों के चुनाव। इस प्रकार राजनाता फुल टाइम चुनाव में व्यस्त रहते हैं। सरकारी मशीनरी भी आए दिन आचार संहिता शासन हो सकता है क्योंकि चुनावी जनादेश एकीकृत होते हैं। एक मजबूत राष्ट्रीय जनादेश संभावित रूप से राज्य-

स्तरीय नेतृत्व को मजबूत कर सकता है, और इसके विपरीत, केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहज समन्वय सुनिश्चित कर सकता है।

राष्ट्रीय मुद्दों पर ध्यान: एक साथ चुनाव कराने से, इस बात की अधिक संभावना है कि राष्ट्रीय मुद्दों पर केंद्रित होगा। वर्तमान में, राज्य चुनावों का ध्यान अक्सर क्षेत्रीय मुद्दों पर केंद्रित होता है जो राष्ट्रीय चर्चा के लिए प्रासंगिक नहीं हो सकते हैं। एक साथ चुनाव कराने से राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर व्यापक ध्यान केंद्रित होगा। हालांकि कांग्रेस सहित विपक्षी दल इसी बात से चिंतित है कि मतदाता संसदीय और विधानसभा चुनाव में अलग अलग मानसिकता से वोट करता है। एक साथ चुनाव होने से स्थानीय मुद्दे गौण हो जाएंगे, जिसका लाभ अंततः केंद्र में सत्तारूढ़ दल को मिलेगा।

भारत के संविधान में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए अलग-अलग चुनाव चक्रों की कल्पना की गई है, और इस ढांचे को संशोधित करने के लिए महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता होगी। राज्यों में एक साथ चुनाव कराने के लिए यहां भी कई कानूनों में संशोधन करने की आवश्यकता होगी। इसके अतिरिक्त, कुछ राज्य परिवर्तन का विरोध कर सकते हैं, खासकर अगर उन्हें लगता है कि एक साथ चुनाव उनकी स्थानीय राजनीतिक स्वायत्तता को कमजोर करेंगे।

भारत में अलग-अलग स्थानीय मुद्दों वाले क्षेत्रीय दलों की एक विशाल श्रृंखला है। एक साथ राष्ट्रीय और राज्य चुनाव कराने पर जोर देने से ये क्षेत्रीय आकांक्षायें कमजोर हो सकती हैं। मौजूदा व्यवस्था में, राज्य चुनाव छोटे दलों को अपने हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। एक साथ चुनाव से राष्ट्रीय मुद्दे स्थानीय चिंताओं पर हावी हो सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय दलों के लिए पर जमाना मुश्किल हो सकता है।

भारत जैसे विशाल देश में, इसकी विविध भौगोलिक स्थिति, सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियां और जनसंख्या घनत्व के साथ चुनाव आयोजित करना एक जटिल कार्य है।

एक साथ चुनाव कराने से मौजूदा बुनियादी ढांचा चरमपंता सकता है, जिसके लिए चुनाव आयोग, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के बीच बड़े पैमाने पर योजना और समन्वय की आवश्यकता होगी। ग्राम, ग्रुटियां और मतदाता वचिंतता की संभावना बढ़ सकती है, खासकर ग्रामीण या दूरदराज के क्षेत्रों में जहाँ मतदान केंद्रों और सूचना तक पहुंच सीमित है।

मतदाता व्यवहार पर प्रभाव: जबकि एक राष्ट्र एक चुनाव की प्रक्रिया चुनावी मतदाता को उदासीनता को कम कर सकती है, इससे मतदाता भ्रम में भी पड़ सकता है। अलग-अलग चुनावों में अलग-अलग मतदान प्रणाली होती है (जैसे, लोकसभा चुनावों के लिए फ्रस्ट-पास-द-पोस्ट और कुछ राज्य विधानसभाओं के लिए मिश्रित प्रणाली), और एक ही दिन में कई कार्यालयों के लिए मतदान करने की जटिलता मतदाताओं को अलग-थलग कर सकती है, खासकर वे जो राजनीतिक रूप से कम जुड़े हुए हैं। एक राष्ट्रीय चुनाव चक्र बेहतर संसाधनों और संगठनात्मक पहुंच के साथ बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों को लाभ पहुंचा सकता है, जिससे छोटी क्षेत्रीय और स्थानीय पार्टियां किनारे हो सकती हैं। एक साथ होने वाले चुनावों के दौरान राष्ट्रीय पार्टियां राजनीतिक एजेंडों पर हावी हो सकती हैं, जिससे क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व की कमी पर उनकी शक्ति और मजबूत हो सकती है।

चुनावों के समन्वय के परिणामस्वरूप राज्य स्तर पर कम गठबंधन सरकारें हो सकती हैं, क्योंकि मतदाता केंद्र सरकार के साथ गठबंधन करने वाले पार्टियों का पक्ष ले सकते हैं। यह राज्य स्तर पर राजनीतिक प्रतिनिधित्व की विविधता को प्रभावित कर सकता है, जिससे क्षेत्रीय चिंताओं को अनदेखा या अनदेखा किए जाने पर संभावित राजनीतिक अस्थिरता या शासन संबंधी मुद्दे पैदा हो सकते हैं।

शर्तों और विघटन के साथ कानूनी और तकनीकी चुनौतियां: एक राष्ट्र एक चुनाव को लागू करने के साथ लोकसभा चुनावों के साथ समन्वय करने के लिए विभिन्न विधानसभाओं के कार्यकाल को छोटा या बढ़ाया जाना चाहिए। इससे निर्वाचित प्रतिनिधियों के कार्यकाल से संबंधित कानूनी मुद्दे उठेंगे। इसके अलावा, अगर कोई सरकार अपने कार्यकाल के बीच में ही विस्थापित हो जाती है, तो चुनाव इस तरह से कराने में अधिक जटिलता प्रदान करेगा।

निष्कर्ष: एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव कई संभावित लाभ प्रदान करता है, जिसमें लागत बचत, बेहतर शासन स्थिरता और मतदाता थकान में कमी शामिल है। हालांकि, इसके कार्यान्वयन के लिए कई संवैधानिक, तार्किक और राजनीतिक चुनौतियों का समाधान करना होगा। जबकि राष्ट्रीय और राज्य चुनावों का समन्वय एक कुशल और सुव्यवस्थित दृष्टिकोण की तरफ लक्ष्य देता है। भारत के राजनीतिक परिदृश्य की विविधता, इसके जटिल कानूनी ढांचे और केंद्रीकरण के जोखिम पर सावधानीपूर्वक विचार किया जाना चाहिए। इसके प्रभावी ढंग से काम करने के लिए, राष्ट्रीय एकता सुनिश्चित करने और भारतीय लोकतंत्र की जीवंत, बहुलवादी प्रकृति को संरक्षित करने के बीच एक सावधानीपूर्वक संतुलन बना होगा। अंततः, इस महत्वाकांक्षी सुधार की व्यवहार्यता और व्यापक प्रभाव का परीक्षण करने के लिए राहुल विचार-विमर्श, परामर्श और पायलट कार्यक्रमों को शामिल होना आवश्यक होगा।

-राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

# खाजूवाला में सर्दी से युवक की मौत

बीकानेर, (निर्स)। जिले के खाजूवाला में सर्दी से युवक की मौत का मामला सामने आया है। सफाईकर्मियों के काम के बाद वह बस स्टैंड पर ही सो गया था। उसके पास संभवतः ओढ़ने के लिए भी कुछ नहीं था। मृतक के भाई बलकार सिंह ने खाजूवाला पुलिस में रिपोर्ट दी है।

रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई तरसेम सिंह (50) बस स्टैंड पर सफाई-सफाई करके अपना जीवन-यापन करता था। रोडवेज बस स्टैंड पर बने शौचालय के पास रात गुजारता था। 31 दिसम्बर की रात वह शौचालय के पास सोया था। संभव है कि उसके पास ओढ़ने के लिए कुछ नहीं था। एक

सफाईकर्मियों काम के बाद वह बस स्टैंड पर ही सो गया था, उसके पास संभवतः ओढ़ने के लिए भी कुछ नहीं था।

जनवरी की सुबह लोगों ने उसे देखा, वह तब तक मौत हो चुकी थी। हनीफ अलौ नागौरी नामक शख्स ने उसे सबसे पहले देखा था।

मौत हुई है। रात के समय वह बिना कपड़े पहने ही सो गया था। नशे की हालत में उसे पता भी नहीं चला कि सर्दी लगा रही है। ऐसे में सर्दी से ठिठुरते हुए उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उसका शव सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया।

## राशिफल शुक्रवार 3 जनवरी, 2025



पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत् 2081, धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 10:22 तक, वज्र योग दिन 12:37 तक, वणिज करण दिन 12:24 तक, चन्द्रमा दिन 10:48 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।  
ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। आज रवियोग रात्रि 11:22 तक है। भद्रा दिन 12:24 से रात्रि 11:40 तक रहेगी। आज विनायक चतुरथी है। पंचक दिन 10:48 से आरम्भ होगा।  
श्रेष्ठ चौघडियां: चर सूर्योदय से 8:38 तक, लाभ-अमृत 8:38 से 11:13 तक, शुभ 12:31 से 1:44 तक, चर 4:24 से सूर्यास्त तक।  
राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:42

**मेघ**  
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक परेशानियों से रहित मिलेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

**वृष**  
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वसन प्राप्त होगा। अटक हुए कार्य बने लगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा हो सकती है।

**मिथुन**  
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अशुभ भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय है। बन्ते कार्य बिगड़ सकते हैं। दिन के मध्याह्न पश्चात अटक हुए कार्य बने लगे।

**कर्क**  
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मौलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। दिन के मध्याह्न पश्चात नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है।

**सिंह**  
स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

**कन्या**  
शुभ-मौलिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। परिवार में मांगलिक संदेश प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

**तुला**  
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

**वृश्चिक**  
परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

**धनु**  
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बने लगे। अटक हुआ आन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

**मकर**  
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कारोबारी योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

**कुंभ**  
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। दिन के मध्याह्न पश्चात अटक हुए कार्य बने लगे।

**मीन**  
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

# 66 लाख कीमत का 440 किलो डोडा और चूरा के साथ स्कार्पियो गाड़ी जब्त

नाकाबंदी तोड़कर भाग रहे तस्करों को चित्तौड़गढ़ पुलिस ने दबोचा, यू-टर्न के प्रयास में बरसाती नाले में पलट गई थी बदमाशों की गाड़ी

जयपुर/चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ जिले की राशमी थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक स्कार्पियो से 440 किलो 695 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा जब्त किया है। जप्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 66 लाख रुपए है। नाकाबंदी तोड़कर भाग रहे तस्करों का पीछा करने पर बरसाती नाले में पलट जाने के बाद स्कार्पियो में सवार दोनों तस्कर अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए, जिनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है।



चित्तौड़गढ़ जिले की राशमी थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक स्कार्पियो से 440 किलो 695 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा जब्त किया है।

ए.एस.पी सुधीर जोशी ने बताया कि जिले के सभ्य थानाधिकारियों को अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में ए.एस.पी सरिता सिंह व डी.एस.पी गंगार प्रभुलाल कुमावत के निर्देशन एवं एस.एच.ओ राशमी श्यामराज सिंह के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल गोपाल लाल, कांस्टेबल रमेश विरनोई, विनोद कुमार, दिनेश सिहाग, चतरदान, दीपक कुमार व राकेश कुमार द्वारा थाना क्षेत्र के गांव लसाडिया कला की सरहद में नाकाबंदी की जा रही थी।

इसी दौरान पहुँचा की तरफ से एक स्कार्पियो आती हुई नजर आई, जिसे टीम ने हाथ का इशारा

कर रुकवाने का प्रयास किया तो नाकाबंदी की तरफ भाग ले गया। पुलिस टीम ने लगातार तोड़ते हुए चालक गाड़ी को तेज गति से गंगापुर

अंधेरे का फायदा उठाकर दो तस्कर फरार हो गए, चित्तौड़गढ़ पुलिस उनकी तलाश में जुटी

के आगे पुलिस की गाड़ी लगा दी। इस पर स्कार्पियो चालक ने अपनी गाड़ी को यूटर्न कर भागने का प्रयास किया, जिससे स्कार्पियो बरसाती नाले में गिर कर पलटी खा गई। जिसमें से दो व्यक्ति उतर कर अंधेरे का फायदा उठा जंगल की तरफ भाग गए।

टीम ने काफी प्रयास किया, लेकिन दोनों ही तस्कर भागने में सफल हो गए। पुलिस ने स्कार्पियो की तलाशी ली तो उसमें 23 प्लास्टिक के कट्टे रखे हुए थे, जिसमें कुल 440 किलो 695 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा भरा था। स्कार्पियो गाड़ी व अवैध अफीम डोडा चूरा जप्त कर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध एन.डी.पी.एस.ए.के. के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में थाना राशमी के कांस्टेबल विनोद कुमार व दीपक कुमार का विशेष योगदान रहा।

# राइजिंग राजस्थान में हुए एम.ओ.यू. को धरातल पर उतारें : वैभव गालरिया

“सभी प्राधिकरण और न्यास अपने-अपने जिला कलक्टर से समन्वय करके निवेशकों से सम्पर्क स्थापित करें और भूमि चिह्निकरण, भू-आवंटन के प्रकरण तुरंत निस्तारित करें”



नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने गुरूवार को राइजिंग राजस्थान समिट में हुए एम.ओ.यू. से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

जयपुर। नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने गुरूवार को राइजिंग राजस्थान समिट में हुए एम.ओ.यू. से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के एम.ओ.यू. को धरातल पर लाने के लिए सभी प्राधिकरण और न्यास अपने-अपने जिले के जिला कलक्टर से समन्वय कर निवेशकों के साथ सम्पर्क स्थापित करें और भूमि चिह्निकरण, भू आवंटन आदि प्रकरणों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

बैठक में बजट घोषणाओं की क्रियात्मकता की समीक्षा भी की गई। गालरिया ने कहा कि विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने इस संबंध में आर.डी. समस्यारों के बारे में भी अधिकारियों से चर्चा की तथा उचित दिशा निर्देश दिये। उन्होंने विधानसभा प्रश्नों के उत्तर, लम्बित लाइट्स प्रकरण,

सम्पर्क पोर्टल के प्रकरण, कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीकरण की समीक्षा, रिक्त भूखण्ड एवं लैण्ड बैंक की समीक्षा सहित अन्य बिन्दुओं के संबंध में भी अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने जेडीए में लम्बित न्यायिक प्रकरणों में की संख्या कमी की सराहना की और कहा जिलों में भी लम्बित प्रकरणों को शीघ्रतापूर्वक निस्तारण किया जाए। उन्होंने जिलों में अद्यतन एवं निर्णय की पालना से शेष प्रकरणों के बारे में भी जिलाधिकारियों से चर्चा की और उनके त्वरित निपटान के लिए निर्देशित किया।

प्रमुख शासन सचिव ने विभाग के कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीकरण व प्रशिक्षणों की स्थिति के बारे में भी विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि समस्त कार्यालयों में पदस्थापित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कुल संख्या के सापेक्ष कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीकरण व प्रशिक्षण शत प्रतिशत किया जाए। उन्होंने रिक्त भूखण्ड एवं लैण्ड बैंक की समीक्षा करते हुए कहा कि विक्रय योग्य भूमि को सूचिबद्ध किया जाए। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण एवं न्यास के स्वामित्व वाली भूमियों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं हो यह सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए सतत रूप से इन भूमियों की निगरानी की जाए तथा अतिक्रमणों का चिह्निकरण कर उन्हें हटाने की तत्काल कार्रवाई की जाए।

# राजस्थान की विभिन्न कृषि उपज मंडियों में विकास कार्यों को मंजूरी

मुख्यमंत्री ने भजनलाल शर्मा ने कृषक हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषकों के कल्याण एवं कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयत्न कर रहे हैं। अन्नदाता किसानों की आय बढ़ाने और उनका जीवन खुशहाल बनाने के लिए सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए हैं। सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में

मुख्यमंत्री शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की राज्य बजट घोषणा की अनुपालना में प्रदेश की विभिन्न कृषि उपज मंडियों में 27 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की मंजूरी दी है। इन कार्यों में कृषि उपज मंडी समिति (अनाज) बीकानेर में 3.08 करोड़ रुपये एवं कृषि उपज मंडी समिति (विशिष्ट श्रेणी) अलवर में 5.40 करोड़ रुपये के नवीन निर्माण कार्य,

कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर के जमवारगढ़ सब यार्ड में 9.02 करोड़ रुपये के नवीन निर्माण एवं विद्युत कार्य तथा कृषि उपज मंडी समिति (विशिष्ट श्रेणी) बारा में 9.49 करोड़ रुपये के नवीन निर्माण, विद्युत व ऑयल टैस्टिंग मशीन के कार्य शामिल हैं। राज्य सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में कृषि आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी।

# मुख्यमंत्री ने योग के साथ की नववर्ष की शुरुआत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष 2025 की शुरुआत सकारात्मकता और स्वास्थ्य के संकल्प के साथ की। उन्होंने वर्ष की शुरुआत अपनी टीम के साथ योग सत्र

सभी मिलकर स्वस्थ और खुशहाल राजस्थान के निर्माण में दें योगदान : भजनलाल शर्मा

से की। शर्मा ने कहा कि योग एक अभ्यास होने के साथ-साथ स्वस्थ और खुशहाल जीवन की ओर पहला कदम है। योगाभ्यास से मिली ऊर्जा से हम सब मिलकर राजस्थान के उत्थान के लिए समर्पित होकर कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि नए साल में सभी मिलकर स्वस्थ और खुशहाल राजस्थान के निर्माण में योगदान दें।

# युवा विकसित भारत के संकल्प को पूरा 'आदेश की पालना करो वरना कुर्की-गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकते हैं' करने में भागीदारी निभाएं : राज्यपाल



राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गुरूवार को लातूर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 59 वें देवगिरी राज्य सम्मेलन का शुभारंभ किया।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गुरूवार को महाराष्ट्र के लातूर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 59 वें देवगिरी राज्य सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के युवाओं का आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में स्वरोजगार और आत्मनिर्भर भारत से जुड़कर विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में अपनी भागीदारी निभाएं।

बागडे ने कहा कि देश की देश के जोड़ीपी में लगभग 34 प्रतिशत योगदान युवाओं का है। एबीवीपी 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्र के विकास में विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को जोड़ने की पहल करे। उन्होंने इस संगठन के जरिए गांव और शहर का भेद मिटाते हुए देश के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य करने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास से भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए सब मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि जब युवा अपने विचारों और ऊर्जा का योगदान राष्ट्र की समृद्धि में करेगा तो निश्चित ही अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

बागडे ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक जड़ों को खोजला

करने के लिए मैकाले द्वारा देश की शिक्षा पद्धति को बदला गया। होना तो यह चाहिए था कि देश में 15 अगस्त, 1947 को जिस तरह से झंडा बदला गया था वैसा ही शिक्षा व्यवस्था में भी बदलाव होना चाहिए था, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। इसलिए हम आज भी इसका परिणाम मुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1986 में जो शिक्षा नीति बनी, उसके 34 वर्ष बाद 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्माण ऐतिहासिक पहल है। इसमें भारतीयता को सर्वोच्च महत्व दिया गया। यह नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर तैयार की गयी है। यह स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाली है।

राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ आधुनिक सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर इसे तैयार करने की चर्चा करते हुए कहा कि इस संगठन की बलराज मधोक जी की पहल पर इसलिए स्थापना हुई कि इससे राष्ट्रीयता के लिए कार्य किया जा सके। उन्होंने देवगिरी राज्य सम्मेलन को महत्वपूर्ण बताया।

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा उल्लू-जुलूल बयान देते रहते हैं। इनकी सरकार में जब जिले बनाने की चर्चा आयी तो अपना दिमाग नहीं लगाया। ना किसी एक्सपर्ट से राय ली। केवल राजनैतिक लाभ लेने के लिए उन्होंने एक-एक विधानसभा क्षेत्र का भी जिला बना दिया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्सपर्ट से राय ली और कमेटी बनाई, फिर मंत्रीमण्डलीय उपसमिति बनाई, सबसे विचार-विमर्श करने के बाद जो सलाह आई, उसके आधार पर नवीन जिलों पर फैसला लिया गया। जो कि पूर्ण रूप से सही है। कांग्रेस यह फैसला पचा नहीं पा रही है। इसलिए ज्यादा उछल-कूद कर रही है। उपचुनाव में कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली है। इसलिए बेचारे

# विशेषज्ञों की राय से जिलों पर हुआ फैसला : मदन दिलावर

शिक्षा मंत्री ने कहा कि "कांग्रेस पार्टी, भजनलाल सरकार से घबराई"

उल्लू-जुलूल बयानबाजी कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काम और फैसले लेने की स्पीड से कांग्रेस घबराई हुई है। उनको लग रहा है कि आगामी 100 साल तक तो शायद कांग्रेस वापस नहीं आ पाएगी और इसलिए जिस प्रकार से मछली को पानी के बाहर निकाल देते हैं और वो तड़पती रहती है। उसी प्रकार से डोटासरा तड़प रहे हैं। उन्होंने कहा कि डोटासरा तड़प रहे हैं कि कैसे माल खाएँ, कैसे भ्रष्टाचार करें, कैसे लूटपाट करें।

# कांग्रेस को नहीं पच रहे हैं भजनलाल सरकार के शानदार काम : राजेन्द्र राठौड़

राजनीतिक स्वार्थ पूर्ति के लिए जनभावनाओं से खेलना बंद करे कांग्रेस

जयपुर, (कांस)। वरिष्ठ भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ ने कहा है कि कांग्रेस राजनीतिक स्वार्थ पूर्ति के लिए जनभावनाओं से खेलना बंद करे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार के काम कांग्रेस को पच नहीं पा रहे। असल में सरकार के शानदार काम के बाद मुद्दा विहीन कांग्रेस को कोई मुद्दा नहीं मिल रहा, इसलिए ये मुद्दा तलाशने में लगे हैं।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने अंतिम कार्यकाल में आन-फानन के अंदर रामतुषाया कमेटी की अभिशपाओं को दरकिनार करके जिस प्रकार 17 जिले बनाए, तीन संभाग बनाए, उसमें ना आवश्यक वित्तीय प्रावधान किया, ना दूरियां देखीं, ना यह देखा कि मानव संसाधन कहां से आएगा।

नहीं पचा पा रही कि जिन मुद्दों को लेकर वो लगातार राजनीति करती रही, चाहे ईआरसीपी का हो या यमुना जल का हो, वो मुद्दे अब जनता के सामने व्यावहारिक तौर पर हल होते नजर आ रहे हैं। अब नौजवान को उसके हक मिल रहा है। पहली बार नौजवानों का नौकरियों का कैलेंडर एक साथ जारी किया गया है। लगातार अलग-अलग नीतिगत निर्णय पारदर्शिता के साथ लिए जा रहे हैं। ये सारी बातें कांग्रेस को पच नहीं रही हैं इसलिए जनता के बीच में जिलों के पुनर्गठन को लेकर बेसिर-पैर की बातें कर रहे हैं, लेकिन जनता इनके झंसे में आने वाली नहीं है।

# देवनानी आज विधानसभा प्रश्नों के लम्बित जवाबों की समीक्षा करेंगे

जयपुर, (कांस)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शुक्रवार को दोपहर तीन बजे विधानसभा में प्रदेश के मुख्य सचिव सहित राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिवगण से विधान सभा में विधायकों द्वारा लगाये गये प्रश्नों के जवाबों के लम्बित प्रकरणों पर जानकारी लेंगे।

मुख्य सचिव सहित सभी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव व सचिवों से लम्बित प्रकरणों पर चर्चा होगी

जयपुर बुकमार्क 30 जनवरी से

जयपुर। अनुवाद एवं अधिकारों (ट्रांसलेशन एंड राइट्स) पर फोकस करने पर जयपुर बुकमार्क (जेबीएम) लगातार 12वें साल दक्षिण एशिया में प्रकाशन के अग्रणी प्लेटफॉर्म के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार है। आगामी 30 जनवरी से 3 फरवरी तक जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के साथ-साथ चलने वाला जेबीएम कई तरह के जीवंत विमर्श का केंद्र बनेगा। यह सम्मेलन अनुवाद की ताकत एवं क्षमता को खुलकर सभी के समक्ष रखेगा। साथ ही इस दौरान एक व्यापक राइट्स कैंटलाग भी जारी किया जाएगा, जिसे वार्षिक आधार पर तैयार किया जाता है। इसमें 31 प्रमुख प्रकाशकों द्वारा 10 भारतीय भाषाओं की 51 रचनाओं को शामिल किया गया है। सम्मेलन के दौरान 'प्रकाशन के क्षेत्र में एआई', 'गेम्स के माध्यम से कहानी कहने के नए तरीके' और 'बच्चों की पुस्तकों में समावेश की समझ' जैसे विषय सामने आएंगे।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर वर्षाजल सहेजने की परम्परा को पुनर्जीवित करने के लिए शुरू किया गया कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान प्रदेश में भूजल स्तर की गिरावट को रोकने में महती भूमिका निभाने जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत राज्य सरकार भामाशाहों और प्रवासी राजस्थानियों को साथ लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में रिचार्ज शाफ्ट संरचनाओं का निर्माण करवाने जा रही है। यह अभियान जल संचयन में

शुरूआती स्तर पर इस अभियान के अंतर्गत सिरोंही, पाली, जोधपुर, भीलवाड़ा, झुंझुनूँ और जयपुर जिलों में कार्य प्रारम्भ किए गए हैं। अन्य प्रदेशों को अपनी कर्मभूमि बना चुके प्रवासी राजस्थानी व्यवसायों, उद्यमों एवं अन्य अग्रणी लोगों को जोड़कर भावनात्मक रूप से प्रेरित करते हुए राजस्थान में अपने गांव में जल संरक्षण गतिविधियों में शामिल होकर वर्षा जल संचयन और जल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए जल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए भामाशाहों के अलावा प्रवासी राजस्थानी क्रॉउड फंडिंग के माध्यम से और कॉर्पोरेट्स सीएसआर फंडिंग के माध्यम से इस अभियान के अंतर्गत रिचार्ज शाफ्ट संरचनाओं के निर्माण में सहयोग दे सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि भूजल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण 216 पंचायत समितियां यानी प्रदेश का 72 प्रतिशत भाग अतिदोहित श्रेणी में आ गया है, जिसमें भूजल की गुणवत्ता भी खराब हुई है। इस अभियान से भूजल स्तर में गिरावट रोकने के साथ-साथ परेल् उपयोग तथा कृषि कार्यों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। अभियान में पर्यावरण अनुकूल रिचार्ज शाफ्ट संरचनाओं से व्यर्थ बह जाने वाले वर्षा जल और भाप बन कर उड़ जाने वाले सतही जल की एक-एक बूंद के संचय, संग्रहण एवं पुनर्भरण पर फोकस किया जाएगा।



# सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र में अशोक गहलोत के लापता होने के पोस्टर लगे

विकास कार्य नहीं होने पर क्षेत्रवासी गुस्से में, लोगों ने विरोध का अनूठा तरीका अपनाया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक गहलोत के लापता होने के पोस्टर उनके विधानसभा क्षेत्र में लगने से कांग्रेस में हड़कंप मचा हुआ है।

जानकारी के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक गहलोत के खिलाफ उनकी विधानसभा क्षेत्र की सांसदी कॉलोनी रातानाड़ा बस्ती में विकास कार्य नहीं होने पर क्षेत्रवासी गुस्से में हैं। क्षेत्र के लोगों ने विरोध का अनूठा तरीका अपनाया है। यहां क्षेत्रवासियों की तरफ से दीवारों व खंभों पर लापता विधायक अशोक गहलोत के पोस्टर लगाए गए हैं। वार्ड नंबर 69 स्थित सांसदी कॉलोनी और रातानाड़ा की बस्तियों में जगह-जगह लापता विधायक के पोस्टर लगाए गए हैं। बताया जा रहा है कि जोधपुर में अशोक गहलोत का पूरे राजनीतिक जीवन में पहली बार इस तरह का विरोध हुआ है।

क्षेत्र के प्रमुख प्रतिनिधि अजय सिंह सांसदी ने बताया कि क्षेत्रवासियों में विधायक अशोक गहलोत के प्रति गहरी नाराजगी है। चुनाव के बाद से वे ना तो क्षेत्र में लौटे और ना ही जनता से संवाद स्थापित किया। उनके

## हमारे विधायक जी लापता हैं

थे मासे दूर हो गया, अशोक जी



श्री अशोक जी गहलोत विधायक सरदारपुरा एवं पूर्व मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार

अपनी विधानसभा से चुनाव के बाद से लापता हैं।

कहीं दिखे तो बोलिए कि विधानसभा में जाए और विकास के लिए कुछ करें।

सांसदी बस्ती रातानाड़ा

सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 69 स्थित बस्तियों में जगह-जगह लापता विधायक अशोक गहलोत के पोस्टर लगे हैं।

विधायक कोष से किसी भी प्रकार का विकास कार्य नहीं हुआ है। इसी कारण

लोगों ने धीरे-धीरे पोस्टर लगाकर अपनी नाराजगी और विरोध प्रकट

गहलोत के लापता होने के पोस्टर उनके विधानसभा क्षेत्र में लगाने से कांग्रेस में हड़कंप मचा

करना शुरू कर दिया है। बस्ती की सड़कों, पानी की व्यवस्था और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं अब भी खराब स्थिति में हैं।

बस्ती के लोगों का कहना है कि अशोक गहलोत केवल चुनाव के समय आते हैं, झूठे वादे और प्रलोभन देकर चले जाते हैं। पिछले कई वर्षों से उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। बस्ती के नजदीक से एयरपोर्ट से आते हैं और गुजर जाते हैं, लेकिन बस्ती की तरफ मुड़कर भी नहीं देखते हैं। यह बेहद दुःख और शर्मनाक है कि अशोक गहलोत जैसे पूर्व मुख्यमंत्री हमारे क्षेत्र के विधायक हैं। वे अपने क्षेत्र की बस्तियों में आज तक कोई बड़ा काम नहीं कर पाए।

बस्ती में स्थित राजकीय बालिका विद्यालय में शौचालय तक नहीं है। बालिकाओं को शौच के लिए घर जाना पड़ता है। यह हमारे क्षेत्र के

लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह विरोध केवल पोस्टरों तक सीमित नहीं रहेगा। यदि विधायक ने जल्द ही जनता की बात नहीं सुनी तो विरोध प्रदर्शन और अधिक तेज किया जाएगा। विधायक ने जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया तो सड़कों पर उतरा जाएगा।

वहीं इस तरह की घटना के बाद राजस्थान की राजनीति में विरोधी नेताओं की ओर से प्रतिक्रिया आना शुरू हो गई है। बीजेपी के प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि झारखंड में कोई पेड़ गिर जाए तो भी प्रतिक्रिया देने वाले हमारे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खुद के शहर जोधपुर में उनके लापता होने के पोस्टर जनता लगा रही है।

जगह-जगह पोस्टरों पर लिखा गया है कि, 'हमारे विधायक जी लापता हैं, थे मासे दूर हो गया अशोक जी, अशोक जी गहलोत विधायक सरदारपुरा एवं पूर्व मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार अपनी विधानसभा से चुनाव के बाद से लापता है। कहीं दिखे तो बोलिए कि विधानसभा में जाए और विकास के लिए कुछ करें।'

## विवाहिता से गैंगरेप, आठ जनों पर आरोप लगाया

अजमेर, (कासं)। केकड़ी सदर थाना क्षेत्र में एक विवाहिता से गैंगरेप का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आठ आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप करने और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि उसकी एक युवक से जान पहचान थी। शांति युवक ने इस पहचान का फायदा उठाते हुए उसे अपने पाप बुलाया और उसके साथ दुराचार किया। इस दौरान आरोपी ने अश्लील वीडियो बना लिए और उसे किसी को न बताने की धमकी दी। अश्लील वीडियो के आधार पर युवक ने ब्लैकमेल करने हुए

अश्लील वीडियो वायरल की धमकी दी, पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया

दुबारा बुलाया और अपने साथियों के साथ मिलकर गैंगरेप किया। इसके बाद यह ब्लैकमेल का सिलसिला जारी रहा। एक बार फिर उसे एक फैंकटरी में बुलाकर नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ गैंगरेप किया। शांति युवकों के दिनों दिन हॉसले बुलंद होने लगे और जबरन उसे खेत में ले जाने का प्रयास करने लगे, इस बीच कुछ लोग मौके पर आ गए, जिन्हें देख आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़िता की रिपोर्ट के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

## मॉर्निंग वाक करते सब इंस्पेक्टर को हार्ट अटैक आया, मौत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में मॉर्निंग वाक करते समय सब इंस्पेक्टर (एसआई) करणी दान (39) को हार्टअटैक आ गया। वे अचेत होकर ट्रैक पर गिर पड़े। लोग उनको एम्स ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। करणीदान साल 2014 में सब इंस्पेक्टर के पद पर पुलिस में भर्ती हुए थे। वर्तमान में वे जोधपुर ग्रामीण की डीएसटी टीम के प्रभारी थे। पुलिस के आलाधिकारियों ने उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।

जोधपुर ग्रामीण के एसपी भोपालसिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह नौ बजे भगत की कोठी स्थित कृष्णा

करणीदान साल 2014 में सब इंस्पेक्टर के पद पर पुलिस में भर्ती हुए थे

नगर के पार्क में करणीदान मॉर्निंग वाक के लिए गए थे। अचानक उनके सीने में दर्द हुआ और वे ट्रैक पर गिर पड़े थे। सूचना पर खेड़ाया थानाधिकारी लाखाराम सहित अन्य स्टाफ भी अस्पताल पहुंचा था। करणीदान बालोतरा के बड़नावा जागीर के रहने वाले थे। उनके परिवार में पत्नी, 6 साल

का बेटा और मां हैं। परिजनों को जैसे ही करणीदान के निधन की खबर मिली, उनका बुरा हाल हो गया। करणीदान का शव देखते ही पत्नी परस कंवर और मां भंवरि देवी बेसुध हो गईं।

करणीदान की पत्नी परस कंवर ने बताया कि वो रात को 12 बजे ड्यूटी से घर आए थे। सुबह पार्क में घूमने निकले थे। बार-बार रोते हुए यही कह रही है थी कि अब बेटे और उनका क्या होगा। भगवान ने आज इतना बुरा दिन क्यों दिखाया। इससे पहले मुझे मौत क्यों नहीं आई। कुछ समय पहले ही जोधपुर में प्लॉट लिया था, जहां पर मकान का निर्माण कार्य शुरू करवाने वाले थे।

## नशीली गोलियों सहित युवक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (कासं)। देर शाम एक युवक को तीन हजार नशीली गोलियों के साथ गिरफ्तार किया गया। युवक गांव मोहनपुरा का रहने वाला है और मल्टीपैज स्कूल के सामने की तरफ कार में नशीली गोलियां लेकर आ रहा था। इसी दौरान पुरानी आबादी थाना पुलिस ने उसे धरदोबाचा। पुरानी आबादी थाना पुलिस को डीएसटी से इनपुट मिला था कि शहर में मोहनपुरा का रहने वाला युवक कार में नशीली गोलियां लेकर आया है। इस पर मल्टीपैज स्कूल अंडरब्रिज के पास पुलिस टीम तैनात थी। डीएसटी के इनपुट के आधार पर बताया गई कार को रोका गया। कार को रोकते ही इसे चला रहा युवक घबरा गया। इस पर पुलिस टीम ने कार की तलाशी ली। पुलिस टीम को कार में तीन हजार नशीली गोलियां मिली। युवक हरमंदरसिंह उर्फ गोरा (36) पुत्र नायब सिंह गांव मोहनपुरा का रहने वाला है। वह यह नशीली गोलियां किस इरादे से लाया था, इस बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। युवक का पुराना आपराधिक रिकार्ड भी खंगाला जा रहा है। युवक ये नशीली गोलियां यहां कैसे देने वाला था, इस बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

## 6.60 लाख की स्मैक सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

करौली, (निसं)। सपोटरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक स्मैक तस्कर सहित तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6 लाख 60 हजार रुपये की स्मैक जप्त की है।

सपोटरा थाना अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के

तस्कर महेंद्र मीणा के विरुद्ध पूर्व में भी आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं

निर्देशन में चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान और स्मैक के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान सपोटरा थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने एक स्मैक तस्कर सहित तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 32 ग्राम 80 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक, पांच मोबाइल एवं एक कार जप्त कर ली है।

उन्होंने बताया कि सपोटरा थाने से स्वयं के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। थाना सपोटरा पुलिस द्वारा



सपोटरा थाना पुलिस ने स्मैक तस्करों को गिरफ्तार किया

आरोपी महेंद्र पुत्र श्रीलाल मीणा निवासी डाबरा थाना सपोटरा, गजराज पुत्र रमेश चंद्र मीणा निवासी बरदाला थाना नादोली एवं सुनील पुत्र शिवचरण मीणा निवासी डाबरा व एक नाबालिग के कब्जे से कुल 32 ग्राम 80 मिलीग्राम स्मैक जप्त की

जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य करीब 6 लाख 60 हजार रुपये है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार स्मैक तस्कर महेंद्र मीणा निवासी डाबरा के संपर्क में शालावाड़, कोटा, बारा के तस्कर जुड़े हुए हैं एवं करौली व सवाई माधोपुर में

युवाओं को स्मैक सप्लाई करते हैं। तस्कर महेंद्र मीणा के विरुद्ध पूर्व में भी आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। कार्रवाई के दौरान जिला स्पेशल टीम प्रभारी धारा सिंह, कॉन्स्टेबल नेमीचंद एवं पुण्येंद्र की विशेष भूमिका रही।

## घने कोहरे के कारण बस ने ट्रौले को टक्कर मारी, 20 घायल

प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से 12 घायलों को जयपुर रेफर किया

दौसा, (निसं)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार सुबह घने कोहरे के कारण नांगल राजावातान थाना क्षेत्र के लाडली का बास के पास पिलर नंबर 198 पर भीषण सड़क हादसा हो गया। उज्जैन से महाकाल के दर्शन कर दिल्ली लौट रहे यात्रियों से भरी बस ने आगे चल रहे ट्रौले को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 20 लोग घायल हो गए, जिनमें से 12 लोगों की हालत गंभीर है।

जानकारी के अनुसार हादसा सुबह करीब 5:30 बजे हुआ। बस में 36 यात्री सवार थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस की केबिन पूरी तरह चकनाचूर हो गई। बस के पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने भी बस को टक्कर मार दी, जिससे बस बुरी तरह

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस की केबिन पूरी तरह चकनाचूर हो गई

क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा। घायलों को तुरंत दौसा के जिला अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से 12 घायलों को जयपुर रेफर कर दिया गया। घने कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम थी, जो इस हादसे का प्रमुख कारण माना जा रहा है।

हादसे की सूचना पर दौसा डीएसपी चारुल गुप्ता भी मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्यों का

जायजा लिया। पुलिस ने मौके से क्षतिग्रस्त बस और ट्रक को हटाकर यातायात बहाल किया। इस दौरान पुलिस ने घायलों के परिजनों को सूचना देकर उनकी मदद की। घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कई यात्री गंभीर चोटों के कारण बस के भीतर ही फंसे रहे, जिन्हें बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। स्थानीय लोगों ने भी राहत कार्य में मदद की। प्रशासन ने कोहरे के दौरान सड़क पर विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। पुलिस ने ट्रक और बस चालक के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने घने कोहरे के दौरान वाहन चालकों को धीमी गति और सावधानी से वाहन चलाने की सलाह दी है।

## सड़क हादसे में कार सवार की मौत, नौ घायल

नव वर्ष मनाकर घर लौट रहे थे टवेरा कार सवार लोग

नोखा, (निसं)। नव वर्ष मनाकर वापस घर लौट रहे टवेरा कार सवार लोगों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टवेरा कार में सवार लोग देवदर्शन कर गंत लौट रहे थे। तभी नोखा से करीब 20 किमी दूर मुकाम के पास हादसा हो गया। हादसे में नोखा के रोड़ा गांव निवासी ड्राइवर रामेश्वर कठालता की बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर करते समय मौत हो गई। वहीं नौ लोग घायल हो गये। जानकारी के अनुसार टवेरा कार को अज्ञात वाहन से टक्कर लगने के

बाद पेड़ से टकरा गई। इस दौरान गाड़ी में सवार यात्री घायल हो गए। गाड़ी में करीब 10 लोग सवार थे, जिनमें से ड्राइवर रामेश्वर सहित 5 को गंभीर चोटें आईं और उन्हें पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया। रोड़ा के सरपंच ऋषिराज सिंह घायलों को लेकर पीबीएम अस्पताल पहुंचे। मृतक रामेश्वर अपने परिवार और रिश्तेदार की महिलाओं को नए साल पर ख़ादू और सालासर के दर्शन करवाकर वापस घर ला रहे थे। सूचना मिलने पर एएआई शंभू सिंह

## 3.32 करोड़ रुपए का गांजा पकड़ा, एक तस्कर गिरफ्तार

कोटा से बिजौलियां की ओर आ रहे ट्रक में 665.50 किलोग्राम गांजा बरामद किया



बिजौलियां थाना पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध गांजा बरामद कर तस्कर को गिरफ्तार किया।

जयपुर/भीलवाड़ा/माण्डलगढ़। मांडलगढ़ के बिजौलियां थाना पुलिस और जिले की स्पेशल पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ तस्करों पर कार्रवाई कर 6.65 किंवटल से अधिक मात्रा में गांजा तस्कारी करते एक तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर ट्रक को जब्त कर लिया। मामले की जांच प्रोबेशन आईपीएस अधिकारी जितन जैन द्वारा की जा रही है।

बिजौलियां थानाधिकारी लोकपाल सिंह ने बताया कि डीएसटी टीम द्वारा सूचना के आधार पर बिजौलियां में नेशनल हाइवे 27 पर केसरगंज कट पर कोटा की ओर से आ रहे एक संदिग्ध ट्रक को नाकेबंदी के दौरान रुकवाकर तलाशी ली गई। ट्रक में 665.50 किलोग्राम गांजा भरा मिला, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत 3 करोड़ 32 लाख 75 हजार रुपये बताई जा रही है। आईजी अजमेर रेंज ओमप्रकाश

बताया गया है कि गांजे की खेप उड़ीसा से भीलवाड़ा लाई जा रही थी। वहीं तस्कर भागचंद लोहार पुत्र शिवराज लोहार निवासी धनोप माता जी थाना फुलिया कला जिला भीलवाड़ा को पुलिस गिरफ्तार कर कड़ाई से पृष्ठताछ कर रही है कि उक्त गांजे की खेप कहाँ से कहाँ सप्लाई के लिए ले जाई जा रही थी और इस बड़ी तस्कारी में कौन-कौन शामिल है।

इस कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक प्रभारी साइबर सेल भीलवाड़ा आशीष मिश्रा, जिला स्पेशल टास्क टीम सहायक उप निरीक्षक अयूब मोहम्मद, बिजौलियां थाने के हेड कॉन्स्टेबल दिलीप कुमार, मुकेश कुमार, कॉन्स्टेबल किशोर सिंह, चंद्रपाल सिंह, राकेश भंडारी, प्रताप बिश्नोई, राधेन्द्र सिंह, रविंद्र सिंह, दिलीप सिंह, भूपेंद्रसिंह, पिंहु कुमार, योगेश, विश्राम, श्रवण, सुरेश, रंजित, हेमामाम, महावीर, लखन आदि नाकाबंदी और कार्रवाई में मौजूद थे।

## आठ हजार की रिश्त लेते पटवारी गिरफ्तार

अजमेर/सरवाड़, (कासं)। अजमेर जिले के सरवाड़ तहसील के सनोदिया हलके के पटवारी मुकेश चौधरी को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने रिश्त लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एसबी के अधिकारी के अनुसार पटवारी मुकेश चौधरी ने जमीन का नामांतरण खोलने के लिए रिश्त मांगी थी। एसबी ने 8 हजार रुपये की रिश्त लेते हुए रीं हाथों गिरफ्तार किया है, जिससे एसबी की टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है।

एसबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा ने बताया कि शिकायतकर्ता की ओर से एसबी के हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दी गई थी,



आरोपी पटवारी मुकेश चौधरी।

जिसमें उसने शिकायत देकर बताया कि तहसील सरवाड़ के पटवारी मुकेश

पटवारी ने जमीन का नामांतरण खोलने के लिए रिश्त मांगी थी

चौधरी के द्वारा उसकी पत्रक कृषि भूमि का विरासत का नामांतरण खोलने की एवज में 10 हजार रिश्त राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। एसबी के द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायत पर सत्यापन किया गया। गुरुवार को शिकायतकर्ता को रिश्त राशि देकर भेजा गया था, जहां एसबी भी अजमेर की टीम ने आठ हजार की रिश्त लेते सनोदिया तहसील सरवाड़ के पटवारी मुकेश चौधरी को गिरफ्तार किया। एसबी के द्वारा पटवारी के कार्यालय और मकान पर भी तलाशी जारी है।

Executive Engineer Public Health Engineering Department City Division IV (S), Jaipur  
S.No. 3761-82 Date: 26.12.2024

Notice Inviting Bid  
Bids for Various Works are invited from interested bidders. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of teh state.  
UBN NO. NIT's For the Year 2024-25 Last Date & time for online submission of tender document. PHE2425WSRC07643 NIT-26 06.01.2025 upto 6.00 PM  
Executive Engineer PHEd, City Div. IV (S) Jaipur  
DIPRC/13806/2024

DCP (HQ), Police Commissionerate, Jaipur  
D.No. 4237 Date-26.12.2024

Notice Inviting Bid  
Bids for Cranes tender are invited from interested Bidders upto 02.00 pm date 08.01.2025 in e-format. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.raj.nic.in) of the state, and http://www.police.rajasthan.gov.in departmental website.  
UBN- COP2425GLOB00022  
DIPRC/13817/2024 DCP (HQ), Jaipur

Livestock Research Station, Kodmedesar  
Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences, Bikaner, E-mail : iskodmedesar@gmail.com  
No FJ/LRS/Kodmedsar/2024-2025/209 Dated :- 01/01/2025  
खुली बोली सूचना- 01/2024-25  
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 09.01.2025 को पशुधन अनुसंधान केन्द्र, कोडमदेसर, बीकानेर में कृषि भूमि को 04 वर्ष के लिए संविदा काश पर देने हेतु खुली बोली लगाकर बोली आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यक्ति / संस्था / फर्म निर्धारित तिथि को प्रातः 10:00 से 11:00 बजे तक उपस्थित होकर, परीक्षण सूचक से 5000 नगद जमा करवाकर बोली में सम्मिलित हो सकेंगे। बोली की जाने वाली कृषि भूमि मय संसाधन का अत्यलोकन कार्य दिवस को कार्यालय समय में उपस्थित होकर किया जा सकता है। निविदा संबंधी सूचना एवं शर्तें sppp portal व http://www.rajuvas.org पर भी देखी जा सकती है। UBN No. :VAU2425WSOB000112  
रज.सं.हाद.र/24/9807

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खाण्ड सांचौर  
क्रमांक-323/सांचौर/2024-25/2242 दिनांक-23.12.2024  
निविदा सूचना संख्या 18 वर्ष 2024-25  
NIB NO. PWD2425A3473  
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर खण्ड सांचौर में डीएसटी की विभिन्न सड़कों पर पैच एवं मरम्मत कार्य (Risk & Cost) हेतु उच्च श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पीजीके संवेदकों एवं राज्य सरकार/किड सरकार के अधिभूत सार्वजनिक/सांचौर/खाण्ड सांचौर एवं दूर संचार विभाग/वेले इत्यादि में पीजीके संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उच्च श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हैं, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रु. 20.00 लाख है के लिए ई-प्रक्रिया प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।  
ऑनलाइन निविदा आवेदन ड्राउनलोड 30 दिसम्बर 2024, 9.30 बजे से 08 जनवरी 2025 एवं अपलोड करने की तारीख सायं 06.00 बजे तक  
निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साइट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने हेजिटेड हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट पर http://sppp.rajasthan.gov.in पर रिकॉर्ड करवाना आवश्यक है। कार्रवार खरीदने संख्या निम्नानुसार है।  
UBN NO. PWD2425WSOB12650  
(ओम प्रकाश)  
अधिशाषी अभियन्ता,  
सा. नि. खाण्ड सांचौर  
DIPRC/13823/2024

# डकैती की योजना बनाते हुए सरगना समेत 5 बदमाश पुलिस के हथ्थे चढ़े

संजय सर्किल पुलिस ने चोरी का माल खरीदने वाले 2 युवकों को भी गिरफ्तार किया

जयपुर (कांस)। संजय सर्किल थाना पुलिस ने गुरुवार को डकैती करने से पहले ही पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही चोरी का माल खरीदने वाले दो खरीदारों को भी पकड़ा है। इनके कब्जे से लूटे गए 15 लाख रुपए कीमत के दो महंगे लैपटॉप और 40 महंगे मोबाइल बरामद किए हैं। आरोपित अब्दुल दर्जे के लूटेरे हैं। ये सुनसान जगह पर राहगीरों से मोबाइल छीनते हैं। आरोपी जयपुर शहर में रात को बड़ी डकैती की तैयारी में थे। जिस जगह इन्हें डकैती डालनी थी, उस जगह की दो माह पहले रैकी कर ली थी।



संजय सर्किल थाना पुलिस ने डकैती की वारदात की योजना बनाते हुए पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया।

ये आरोपी लूटे गए मोबाइल को साइबर क्राइम करने वालों का डिलीवर करते थे। गिरफ्तार आरोपियों के अलावा दो आरोपी लूटे के मोबाइल खरीदने वाले भी गिरफ्तार किए हैं। इनमें से एक बदमाश शकील मुंबई में चोरी की बड़ी वारदात करने के बाद यहां जयपुर में फरारी काट रहा था। ये जयपुर में एक ज्वेलरी शोरूम में डकैती डालने वाले थे।

एडोसोपी बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित लाला उर्फ लाल मोहम्मद (19) बंगाली बस्ती नाहरी का नाका शास्त्री नगर, शकील अली (19) कटिहार बिहार हाल शास्त्री नगर, मोहम्मद तारिफ (22) काजी जी

का नाला भट्टा बस्ती, जय रहीन (23) पेंटर कॉलोनी शास्त्री नगर और उस्मान (20) पश्चिम बंगाल हाल शास्त्री नगर का रहने वाला है। इनके कब्जे से डकैती के लिए काम में लेने वाले मिर्च पाउडर, कटार, चाकू, टॉर्च, रस्सी, पेचकस, टेप

■ आरोपियों के कब्जे से 15 लाख रुपए के दो महंगे लैपटॉप और 40 मोबाइल बरामद किए पुलिस ने

बड़ी दुकान में चोरी करते हैं। इन्होंने कब्ज किया कि ये चोरी और लूटे मोबाइल मोहित स्वामी और संदीप स्वामी निवासी नाहरी का नाका शास्त्री नगर को बेचते हैं। इस पर संदीप और मोहित को गिरफ्तार किया है। ये लूटे गए मोबाइल और लैपटॉप को को साइबर क्राइम के लिए मेवात इलाके में बेच देते हैं। साइबर अपराधी एक बार उपयोग में लेकर इन्हें नष्ट कर देते हैं। आरोपी शकील ने जयपुर में आकर एक ज्वेलरी दुकान में चोरी करने की वारदात का प्रयास किया लेकिन जाग होने के कारण विफल हो गए। इसके बाद एक मकान में डकैती डालने की योजना की थी। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने दो माह पहले रैकी की थी। वह पकड़े नहीं जाएं इसके लिए उन्होंने इंतजार किया, क्योंकि सीसीटीवी में इतने दिन तक ही रिकॉर्डिंग सुरक्षित रहती है। आरोपी राह चलते लोगों को बातों में उलझाकर या अडगी लगाकर वारदात करते हैं।

# रैन-बसेरों में जरूरतमंदों को बांटे 500 से अधिक कंबल

जयपुर। शहर में पड़ रही भीषण ठंड से बचाव के लिए हैरिटेज निगम की ओर से गुरुवार रात जरूरतमंदों को कंबल बांटे गए।

इस दौरान हैरिटेज निगम की ओर से लगाए गए अस्थाई रैन बसेरों में स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रां ने पहुंच कर नागरिकों को कंबल ओढ़ाकर कर उनका हाल चाल पूछा। मंत्री झाबर सिंह खर्रां ने सभी को नए साल की शुभकामना देते हुए कहा कि शहर में अत्यधिक सर्दी पड़ रही है। जयपुर राजधानी में प्रतिदिन अनगिनत लोग अपने काम काज के लिए आते हैं। ऐसे में हैरिटेज निगम की ओर से लगाए गए रैन बसेरों में ही आमजन के लिए ठहरने और खाने पीने की व्यवस्था की गई है।



नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रां और हैरिटेज महापौर कुसुम यादव ने गुरुवार को रैनबसेरों का निरीक्षण किया और जरूरतमंदों को गर्म कंबल भी वितरित किए।

गुरुवार रात को महापौर कुसुम यादव की ओर से जरूरतमंदों को कंबल वितरण का कार्यक्रम रखा गया, जो कि बहुत उत्तम कार्य है। इस दौरान मंत्री झाबर सिंह खर्रां ने अस्थाई रैन बसेरों में निगम व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। कंबल वितरण कार्यक्रम में महापौर कुसुम यादव, आयुक्त अरुण

हसीजा, अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र सिंह यादव, पार्षद गण और निगम अधिकारी मौजूद रहे।

महापौर कुसुम यादव ने बताया कि हैरिटेज निगम की ओर से लगाए गए अस्थाई रैन बसेरों में 500 से अधिक कंबल वितरण किए गए।

इस दौरान खासा कौटी पुलिसिया के नीचे, हसनपुरा, अजमेर पुलिसिया के पास रह रहे बाशिंदों को कंबल वितरण कर

भीषण सर्दी से राहत पहुंचने का प्रयास किया गया। अस्थाई रैन बसेरों में लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। आमजन को कोई तकलीफ नहीं हों, इसके लिए कीडबैक लेकर निगम की ओर से व्यवस्था कुंज रही है। जरूरत मंद अपनी आई डी दिखाकर कर निशुल्क प्रवेश पा सकता है। महिलाओं के लिए रैन बसेरों में रुकने की विशेष व्यवस्था की गई है।

## साइबर ठगों की धरपकड़ के लिए एक माह अभियान चलायेगी पुलिस

जयपुर। राजस्थान में संगठित साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और बदमाशों को धरपकड़ के लिए पुलिस 1 माह तक "ऑपरेशन साइबर शोल्ड" अभियान चलायेगी। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने गुरुवार से इस महाने के अंत तक यह अभियान चलाने का निर्णय किया है। महानिदेशक पुलिस उक्कल रंजन साहू के निर्देशन में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने, साइबर प्रकरणों व परिवारों के निस्तारण एवं राज्य के नागरिकों को साइबर सुरक्षा और साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से राज्य में 21 जनवरी से 31 जनवरी तक लगातार कार्रवाई होगी। पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि राजस्थान में बढ़ते साइबर अपराधों के आधुनिक ग्राफ को दृष्टिगत रखते हुए एक महाने तक चलने वाले इस विशेष साइबर अभियान के दौरान 7 बिंदु निर्धारित किए गए हैं, जिस पर पूरे माह सतत कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान की सफलता के लिए समस्त पुलिस रेंज व जिलों के उच्च अधिकारियों की विस्तृत दिशा-निर्देश वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं पत्राचार के माध्यम से जारी किए जा चुके हैं।

■ इस अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में स्टोन की वैल्यू एड्डेड प्रोडक्ट की नई मशीनरी और तकनीक पर होगी खास चर्चा



लघु उद्योग भारती राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष नटरलाल अजमेरा ने स्टोनमार्ट-2026 के बारे में जानकारी साझा की।

इंजीनियर्स, बिल्डर्स और अन्य हितधारकों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है ताकि वे सभी प्रतिभागियों के लाभ के लिए सहयोग और अपने ज्ञान को साझा कर सकें। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय सचिव नरेश पारीक ने बताया कि इस सेमिनार का मुख्य मूलमंत्र प्रौद्योगिकी है, इसलिए इस विषय में डायमेंशनल पथर उद्योग में नवीनतम तकनीकी प्रगति और विकास को शामिल किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के विशेषज्ञों और प्रतिष्ठित उद्योगियों द्वारा ऑडियो-

विजुअल प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रारंभिक विषयों को शामिल किया जाएगा तो वहीं विपणन, पथर के अनुप्रयोग, वास्तुकला उपयोग, अपशिष्ट और पथर के स्तरी के उपयोग के नए रूझानों से संबंधित कुछ अन्य क्षेत्रों पर भी फोकस किया जाएगा। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स और रीको द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती सह-आयोजक है और इसके साथ ही उद्योग जगत के लीडर्स नवीनतम तकनीकों, टिकाऊ प्रथाओं और नवाचारों पर चर्चा

## 8 से 12 जनवरी तक राज्य स्तरीय युवा महोत्सव

जयपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में पांच दिवसीय राज्य स्तरीय युवा महोत्सव 8 से 12 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव एवं राजस्थान युवा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. नीरज के. पवन ने इस सम्बन्ध में गुरुवार को एसएमएस स्टेडियम में एकएम चैनल प्रतियोगिताओं (रेडियो जॉकीज) के साथ बैठक कर उन्हें आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए व्यापक कवरेज के लिए आर्मांत्रित किया। डॉ. पवन ने कहा कि एकएम चैनल संचार का प्रभावी माध्यम है, जो युवाओं में विशेष रूप से लोकप्रिय है। एकएम चैनल के कार्यक्रम भी आम तौर पर युवाओं पर आधारित होते हैं। ऐसे में राजधानी जयपुर में होने जा रहा यह आयोजन एक चैनल के लिए एक विशेष अवसर होगा। उन्होंने कहा कि रेडियो जॉकीज द्वारा अपने फिर-पलितक अंतर्गत में युवा महोत्सव के कवरेज से प्रतिभागी युवा प्रोत्साहित होंगे।

## स्टोन टेक्नोलॉजी पर किशनगढ़ में चर्चा होगी

जयपुर। भारत में स्टोन इंडस्ट्री की ग्रोथ के लिए कार्यरत संगठन ग्लोबल स्टोन टेक्नोलॉजी फोरम की ओर से किशनगढ़ में दो दिवसीय इंटरनेशनल सेमिनार का आयोजन किया जायेगा। आगामी 9 से 10 जनवरी को मार्बल एसोसिएशन के सभागार में आयोजित इस सेमिनार में इटली और ईरान के स्टोन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में ख्यात विशेषज्ञ और देशभर के 500 से अधिक डेलेगीट्स भाग लेंगे। यह जानकारी लघु उद्योग भारती के जयपुर स्थित प्रदेश कार्यालय में स्टोनमार्ट-2026 के कर्नलर और लघु उद्योग भारती राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष नटरलाल अजमेरा ने दी।

उन्होंने बताया कि ग्लोबल स्टोन टेक्नोलॉजी फोरम की ये सेमिनार अंतर्राष्ट्रीय स्टोन टेक्नोलॉजी और डायमेंशनल स्टोन सेक्टर में नवीनतम प्रगति और अभिनव रूझानों पर केंद्रित है। यह डायमेंशनल स्टोन के उपयोग-कार्ताओं और उत्पादकों के साथ-साथ प्रौद्योगिकी और मशीनरी आपूर्तिकर्ताओं, आर्किटेक्ट्स,

## खुले में मांस बेचने पर 9 दुकानें सीज

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगर निगम हैरिटेज की पशु प्रबंधन शाखा ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए खुले में मांस बेचने पर नौ दुकानें सीज की है।

इस संबंध में हैरिटेज निगम आयुक्त अरुण हसीजा ने बताया कि हैरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव के निर्देश पर खुले में मांस बेचने पर सतर्कता शाखा और पशु प्रबंधन शाखा लगातार कार्रवाई कर रही है। गुरुवार को चांदपोल स्थित मरिन्द कुरेशियान के बाहर टीम को नियमों के विपरीत खुले में मांस

■ हैरिटेज निगम ने जब्त किया 150 किलो मांस  
■ सतर्कता शाखा ने हटाए 32 जगहों से अस्थाई अतिक्रमण

बेचते हुए दुकानें मिली, जिस पर सतर्कता शाखा उपायुक्त पुषेंद्र सिंह राठौड़ और पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेश शर्मा ने कार्रवाई करते हुए नौ दुकानों को सीज कर दिया, साथ ही 150

किलो मांस को जब्त कर नष्ट कराया है। आयुक्त अरुण हसीजा ने बताया कि इस दौरान अन्य दुकानों पर चालान किया गया और खुले में मांस नहीं बेचने को हिदायत भी दी गई है।

वहीं, हैरिटेज निगम की सतर्कता शाखा ने परकोटे में अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 32 जगहों से अतिक्रमण को हटा दिया।

इस संबंध में उपायुक्त सतर्कता पुषेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि हैरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव के निर्देश पर सड़क

और बरामदों पर अस्थाई अतिक्रमण करने पर टीम ने कार्रवाई की है। टीम ने बड़ी चौपड़, त्रिभोजिया बाजार, सुभाष चौक, आरोर रोड, चांदपोल बाजार, संजय सर्किल, अजमेर रोड, रामनगर मेट्रो स्टेशन, पुरानी चुंगी, न्यू सांगनेर रोड, सोडाला, भगवान दास रोड, न्यू गेट, अजमेरी गेट, घाट गेट, ट्रांसपोर्ट नगर, दिल्ली बाईपास तक 32 अस्थाई अतिक्रमण हटा दिए। साथ ही 6000 परिवहन शुल्क की रसीद जारी कर और चार टुक सामान जब्त किया गया है।

## महिला के गले पर झपट्टा मारकर सोने की चैन तोड़ ले गए बदमाश

जयपुर। बाइक सवार दो बदमाश पति के साथ स्कूटी से बाजार जा रही महिला के गले पर झपट्टा मार कर सोने की चैन तोड़कर ले गए। घटना को लेकर महिला के पति ने झोटवाड़ा थाने में मामला दर्ज करवाया।

इस अप्रत्याशित घटना में पीड़ित कुछ समझ पाते तब तक बदमाश तेज गति से बाइक चलाकर गलियों में ओझल हो गए। घटना 15 दिसम्बर की दोपहर करीब डेढ़ बजे की है। शास्त्री नगर थाना इलाके में भजन संध्या के दौरान किसी ने एक बुजुर्ग महिला को सोने की चैन पार कर ली। पुलिस के अनुसार विनोबा नगर गिरधर मार्ग निवासी चिराग ताम्बी ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी मां चम्पारेश्वर महादेव मंदिर गई थी। वहां पर रात करीब 9 बजे किसी ने उनके गले से सोने की चैन पार कर ली।

पुलिस के अनुसार रामनगर कालवाड़ रोड निवासी प्रेम प्रकाश गुप्ता ने मामला दर्ज करवाया कि वह अपने पत्नी के साथ स्कूटी से बाजार जा रहा था इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश आए और उसकी पत्नी के गले पर झपट्टा मार कर सोने की चैन तोड़कर ले गए।

# ‘काल स्वयं मुझसे डरा है, मैं काल से नहीं’

स्वतंत्रता सैनानियों के बलिदान को सलाम करने के साथ 7वें राजरंगम् का आगाज

जयपुर। स्वतंत्रता सैनानियों के बलिदान को सलाम करने के साथ 7वें राजरंगम् (राजस्थान रंग महोत्सव) का गुरुवार को आगाज हुआ। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और एक्टर्स थिएटर एट राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 5 दिवसीय महोत्सव का आयोजन जवाहर कला केन्द्र में किया जा रहा है। पहले दिन महोत्सव के निर्देशक चन्द्रदीप हाडा के निर्देशन में नाटक "कालपुरुष:क्रांतिकारी वीर सावरकर" का मंचन किया गया जिसकी कहानी जयवर्धन ने लिखी है। नाटक में वीर सावरकर की जीवन गाथा को मंच पर साकार किया गया। शुक्रवार को शाम 6:30 बजे योगेन्द्र सिंह के निर्देशन में एनिमी ऑफ पीपल नाटक खेला जाएगा।



जवाहर कला केन्द्र में गुरुवार को राजरंगम महोत्सव के पहले दिन चन्द्रदीप हाडा के निर्देशन में नाटक "कालपुरुष:क्रांतिकारी वीर सावरकर" का मंचन किया गया।

सावरकर माने तेज, त्याग, तप, तर्क, तीर, तलवार, पर्दा उठता है और अटल बिहारी वाजपेयी की यह पंक्तियां सभागार में गूंजती हैं। जो ज्योत जलाई क्रांति की वो ज्योत नहीं बुझने देंगे, क्रांति के ये अमरदूत अपना युद्ध न रुकने देंगे सावरकर अपने साधियों के साथ भारत को स्वतंत्र करने की शपथ लेते हैं। इसी के साथ नाटक आगे बढ़ता है। अभिनव भारत संगठन बनाकर सावरकर विदेशी कपड़ों की होली जलाते हैं, यह मुहिम बाल गंगाधर जैसे क्रांतिकारी को भी प्रभावित करती है, सावरकर का नाम पूरे देश में गूंज उठता है। अपने भाई को भारत में क्रांति की मशाल थमाकर सावरकर

लंदन लॉ करने के लिए चले जाते हैं। यहां इंडियन हाउस में भी उनका आंदोलन जारी रहता है। सावरकर इंडियन हाउस में 1857 की क्रांति की स्वर्णिम उत्सव मनाते हैं। लंदन में फ्री इंडिया सोसाइटी संस्था के बैनर तले सावरकर सभी क्रांतिकारी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। ब्रिटिश सरकार सावरकर को कैद कर भारत वापस भेज देती है। वापसी के समय फ्रांस में सावरकर अंग्रेजों को चकमा देकर जहाज से फरार हो जाते हैं। उन्हें फिर पकड़ा जाता है और भारत ले जाकर दो आजीवन कारावास की सजा सुनाई जाती है। सावरकर के जेदों में यातनाओं

का दौर शुरू होता है लेकिन उनके मन की आग का दमन नहीं होता। सावरकर जेल से बाहर आकर हिंदू समाज की जागृति में लग जाते हैं। भारत को आजादी मिलती है लेकिन भारत के विभाजन की बात सावरकर को जीवन भर खलती रहती है। काल स्वयं मुझसे डरा है मैं काल से नहीं साहसी सावरकर अंत में मौत की देवी का आन्धान करते हैं। नाटक में सावरकर की तथाकथित माफ़ी का भी खंडन किया जाता है कि कैसे तथ्यों को तोड़-मरोड़कर उनके खिलाफ उपयोग किया गया। नाटक में सावरकर के साथ-साथ वीर

■ आज होगा "एनिमी ऑफ पीपल" नाटक का मंचन

शिवाजी, चापेकर बंधु, प्रफुल्ल चंद चाको, खुदीराम बोस, मदन लाल ढींगरा और सुभाष चंद्र बोस जैसे क्रांतिकारियों के बलिदान को भी याद किया गया। निर्देशक ने लंबी रिसर्च के बाद नाटक में बेहतर विजुअल और ऑडियो प्रेजेंटेशन के साथ नाटक प्रस्तुत किया। निर्देशक डॉ. चन्द्रदीप हाडा ने वीर सावरकर की भूमिका निभाई। अन्य कलाकारों में मोनिका भागवत सिंह, दिलीप सिंह, देवांश गोधा, सुरूची शर्मा, देवेन्द्र सिंह शेखावत, प्रकाश चन्द्र सेनी, संजय व्यास, नितेश कुमार जोसफ, लक्ष्य सिंह, प्रियंका चौधरी, धनश्याम प्रजापत, अंकित सिंह, मंजीत गुर्जर, राकेश चौधरी, कुष्ण शर्मा, पूषण शर्मा, विपिन राय मिश्रा, हिना केसवानी शामिल हैं। प्रकाश परिकल्पना पवन शर्मा, चित्र निर्माण संयोजक संदीप महेन्द्र, चित्रकार सावित्री शर्मा, वॉइस ओवर गौरव शर्मा, वीडियो ओवर अंकित जैन, संगीत व वीडियो संचालन शुभम मीना, सार्थिका माथुर, कुष्ण शर्मा, मन्त्र निर्माण मनसुख लाल, रूप-सज्जा संजय सेन, सामग्री व्यवस्था देवेन्द्र सिंह, दिलीप सिंह, नितेश कुमार, अंकित सिंह, मंजीत गुर्जर ने संभाली। लक्ष्य सिंह प्रस्तुति संयोजक, हिना केसवानी सहायक निर्देशिका और मोनिका भागवत सह निर्देशिका रही।

## प्रमुख सचिव से लेकर सी.एम.एच.ओ. ने लिया स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवर की पहल पर प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुगम एवं बेहतर बनाने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग निरंतर नवाचार कर रहा है। नवाचार के तहत सीधा संवाद के माध्यम से चिकित्सा संस्थानों का नियमित रूप से निरीक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को प्रदेशभर में तीसरे सीधे संवाद का आयोजन कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया गया। विभाग की प्रमुख शासन सचिव से लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों ने गांव-ढाणी तक स्वास्थ्य केंद्रों पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सहित अन्य सेवाओं का वीडियो कॉल के माध्यम से हाल जाना और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।



चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये गांव-ढाणी के स्वास्थ्य केन्द्रों पर मातृ-शिशु स्वास्थ्य समेत अन्य सेवाओं का जायजा लिया।

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने अलवर जिले के उमरगं, भरतपुर के धुसावर, बीकानेर के पांचू सहित अन्य संस्थानों पर वीडियो कॉल कर चिकित्सा केंद्रों पर उपलब्ध कर्वाई जा रही सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने बीसीएमओ, चिकित्सा संस्थानों पर कार्यक्रम राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन शिविरों में जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए, ताकि आमजन को रोग की स्थिति गंभीर होने से पूर्व ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराकर राहत पहुंचा जा सके। उन्होंने कहा कि इन केम्यों में कैम्पस व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य जांचों पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने सभी आयुष्मान आरोग्य शिविरों का प्रभावी रूप से आयोजन सुनिश्चित करें। ज्यादा



## Perihelion Day

While the Earth does rotate around the Sun, this orbit pattern does not fall into a perfect circle but, instead, happens in an oval shape called an ellipse. This means that the Earth is regularly moving closer to, and then further away from the Sun. In the year 1596, the scientific understanding of the Earth's proximity to the Sun continued to be explored by scientists and astronomers. It was in this year that the term 'perihelion' was coined by Johannes Kepler. At the same time, the term 'aphelion' was used to note the day when the Earth was the furthest from the Sun, falling in the summertime.

## #WELL-BEING

# International Mind-Body Wellness Day

Get the year started off right by participating in various forms of learning and practicing to keep mind and body healthy and well.



International Mind-Body Wellness Day is the perfect time to make a renewed commitment to love your body and your mind by implementing new ideas for growth and health in the coming year!

In a society, that is often rushed by the demands of modern life, it is important to take a moment to reflect, think and actively participate in behaviours that promote holistic wellness. The observance of this day invites people around the world to

embark on a journey of self-discovery and self-care. This day encourages individuals, all throughout the world, to emphasize on self-care, mindfulness practices, and healthy lifestyle choices because it recognizes the significant impact that a balanced mind-body relationship has on overall wellness. It acts as a reminder of how crucial it is to promote balance between our bodily and mental selves, ultimately enabling people to live longer, happier lives by adopting intentional, all-encompassing wellbeing practices.

### How to Celebrate International Mind-Body Wellness Day

Take a look at some of these ways to celebrate International Mind-Body Wellness Day! Use the day to get started on some healthy new habits like some of these.

### Take a Yoga Class

Yoga offers all sorts of benefits that integrate the mind with the body. In addition to critical movement and stretching exercises, yoga also incorporates deep breathing exercises that can help with calmness and relaxation of the mind while reducing stress. Consider some of these

benefits of taking up yoga on a regular basis!

- Increased flexibility and muscle tone.
- Improved energy, vitality and respiration.
- Circulatory and cardio health.
- Promoting a balanced metabolism.

### Practice Breathing Exercises

While everyone breathes all the time, intentional breathing practices can provide the body and mind with many benefits. Deep breathing exercises allow more air to flow into the body, which helps to calm the nerves, reduce stress, lower pain levels and even increase the attention span. This type of breathing can even lower the blood pressure and help with management of the symptoms of anxiety and depression.

Try some of these ideas for simple and easy breathing practices on International Mind-Body Wellness Day.

- **Mindfulness Breathing:** Choose a calming sound or positive word and repeat it silently while slowly inhaling and exhaling. If the mind drifts, simply

bring it back to the chosen word or sound, returning the attention to the present.

- **Belly Breathing:** Placing one hand on the upper chest and one on the belly below the rib cage, allow the belly to relax and then breathe in slowly through the nose until the hand on the stomach begins to rise. Exhale slowly with pursed lips, noticing that the hand on the chest moves very little. Repeat for a few minutes several times a day.
- **Box Breathing:** Exhale for a count of four. Hold the lungs empty for a count of four. Inhale for a count of four. Hold for a count of four and then begin again.

### Drink Lots of Water

Hydration is a critical part of keeping the body healthy which, in turn, keeps the mind working properly. Dehydration can cause a variety of physical health prob-

lems, including urinary and kidney problems, high heart rate with low blood pressure, muscle soreness and cramps, dry skin, physical exhaustion and fatigue.



# Social Media Ban for Children...

Who has the patience to take half an hour or more to feed an active and restive child? Once the habit gets ingrained, the mobile becomes the main appliance to divert a difficult child. Experts vehemently advise that mobile devices be kept away from a growing child. They have a large array of reasons for doing so. They allege, amongst many, that vision, hearing, intellect and physical wellbeing can be affected. The child can become demanding and cranky when mobile ban is enforced. Further, the sleep patterns may be affected. The controversies abound and each set of parent will vouch for their way of bringing up to be the best way to do so.



Dr. Goutam Sen  
Cardiothoracic & Vascular Surgeon

In the whole animal kingdom, the upbringing of the next generation is a major concern. They are basically divided into foraging and good nutrition, survival instincts and pro-creation. They vary according to the species. Birds and smaller animals are focused on survival while larger predators are inclined towards training how to hunt for food. It is amazing that the methods used for all these have not changed since the beginning of time. It has become a part of their genetic makeup. The main reasons for variation have been the climate and terrain. For example, birds have been known to disappear from breeding areas if water and plants are scarce or there are too many predators. Larger animals have moved into urban areas due to shrinking forests.

It is the human species which has had to modify its systems from the early foraging, hunter-gatherer days to what is considered 'modern' today. The last century is probably the one with largest number of innovation and inventions, requiring re-evaluation of

the methods of upbringing the younger generation. Of course, it has been confusing too. One of the instances, which bring out the changes vividly, is the changing concepts about feeding of an infant in the first six months. Breastfeeding with supplements of water and juice was the accepted and traditional norm. The idea of foster mother and milk banks arose out of these requirements. Then came a time when mothers felt that their physical beauty needed prioritisation and canned milk powder came into vogue. The Chinese have always maintained that breastfeeding or even milk is not required for their infants. They transfer the child to semi-solids very soon after birth. The children thrive and look quite healthy. The present day tendency to breastfeed, with complete abstinence of water and sugar in infancy, has become the new standard.

The modern unit family has tried to modify the upbringing of the youngster in many ways. Where healthy food has been advocated, there are instances when fast food (unhealthy) have been given due to convenience, particularly where both the parents are wage earners and have little time to cook at home.

With the introduction of electronic gadgets and easy communication through the internet, many new practices have insidiously slipped into the young one's life. Although every parent agrees that mobiles and I-pads should not be given to a growing child, they are the first ones to break the rules for their own convenience.



## #SOCIAL MEDIA BAN



Handing over a mobile to the child while feeding has become an acceptable way of life!

Who has the patience to take half an hour or more to feed an active and restive child? Once the habit gets ingrained, the mobile becomes the main appliance to divert a difficult child. Experts vehemently advise that mobile devices be kept away from a growing child. They have a large array of reasons for doing so. They allege, amongst many, that vision, hearing, intellect and physical wellbeing can be affected. The child can become demanding and cranky when mobile ban is enforced. Further, the sleep patterns may be affected. The controversies abound and each set of parent will vouch for their way of bringing up to be the best way to do so.

All the same there is universal concern about using devices to divert the growing child. Recently, the use of mobile devices and heavy influence of the social media has become a red hot issue. It has even become a major concern at the governmental level. The Australian government proposes disallowing children below the age of 16 years from using the internet, particularly to participate in the social media. The

Australian government has cited concerns about online safety, cyber bullying, and mental health as the main apprehensions. By reducing exposure to cyber bullying, the ban could protect minors from these negative experiences. Social media can be a breeding ground for unwelcome experiences (pornography and pedophilia) and sexual harassment. Excessive social media use has been linked to increased rates of depression, anxiety and other mental health concerns. There are medical reports stating that it retards the growth of the brain cells up to the age of 20 years. A ban could help mitigate these risks and improve mental health. By invoking the ban, minors might be less likely to encounter online predators, explicit content or other safety risks. Finally, there is increased focus on education and extracurricular activities. Without the distraction of social media, minors might focus on their studies, sports, and other activities better. On the other hand, the ban may restrict freedom of expression. It could be seen as an infringement on minors' right to express themselves and connect with others online. Social media can help minors develop social skills, inter-

act with friends and family, and build relationships. Implementing and enforcing a ban on social media for minors could be challenging, as many platforms are accessible through various devices and networks. By enforcing the ban might drive minors to seek out alternative methods, potentially riskier online platforms or activities.

Two countries that have tried restrictions on social media for minors in some way or other have found objections being made! China has implemented strict regulations on social media, including age restrictions and censorship. While this has reduced the spread of misinformation to an extent, it has also raised concerns about freedom of expression. Personally, my belief is that freedom of speech has to be acquired and is not a birthright. Germany has introduced regulations requiring social media platforms to remove hate speech and other objectionable content. This approach focuses on regulating content rather than restricting access according to age. This has more flexibility!

There are huge implementation difficulties. Ensuring that minors are not

accessing social media platforms could be challenging, as age verification methods are not foolproof. Social media platforms might resist or not fully cooperate with the ban, making enforcement difficult for obvious commercial reasons. Smart minors might find ways to access alternative social media platforms or online services that are not subject to the ban. Parents and guardians might need to take a more active role in monitoring their children's online activities. This could be time-consuming and challenging. Educating minors, teachers, parents and the broader community about the reasons behind the ban and potential risks associated with social media use could be essential for successful implementation.

Some examples of Healthy Social Media Initiatives are Instagram's 'Take a Break' feature. This encourages users to take regular breaks from the platform. Similarly, Facebook's 'Mental Health' resource provides users with access to newer mental tools. Twitter's 'Healthy Conversations' initiative aims to promote healthy online conversations and reduce harassment.

Parents and guardians might need to take a more active role in monitoring their children's online activities, which could hinder their personal pursuits. All the same, this will be beneficial to the children and parents alike. For one, it will be a major renewal of bonds, which are sorely lacking in the unit families, particularly, with the wage earner. The pres-

ence of the elders in the family helps in diversion from excessive social media use. There are many psychological effects in allowing the minor to isolate oneself in their rooms with devices open to social media. They do not have the maturity to distinguish between dark messages and useful ones. There is a fair amount of education required for the parents to identify what aspects of social media are to be avoided. The direct 'No' never works with minors. Diversions into indoor and outdoor activities like sports, watching performances and even taking long runs or walks together are helpful. The need to read books, magazines and even newspapers, instead of sticking to electronic devices, needs careful planning. Comics of the nonviolent type or narrations of mythological tales can be a good alternative.

In conclusion, while the proposed ban in Australia and many more countries on 'social media ban' for minors aims to address legitimate concerns about online safety and mental health, it also raises questions about freedom of expression, social skills, and relationships. Effective implementation would require careful consideration of age verification, platform cooperation, and parental involvement as well as education and awareness campaigns.

It remains an area in which deep thought, and that too, promptly, may ensure huge benefits in the future!

rajeshsharma1049@gmail.com



## #CULTURAL EXTRAVAGANZA

# Jaigarh Heritage Festival

The largest cannon in the world installed at this formidable fort is a product of the cannon foundry that it once had on its premises. For close to 100 years, it has drawn tourists from all over the world.



Sadhana Garg  
Journalist & Social Entrepreneur

Some heritage sites like humans have a way of being in the news. Jaigarh fort is one of them. During the Emergency, it was a hot bed of excavations due to the supposed buried gold

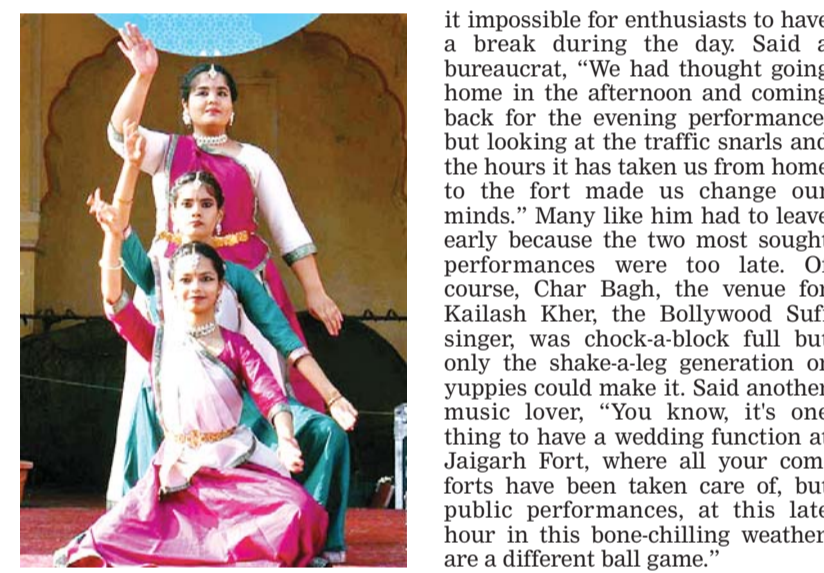
treasure, initiated by the then Indira Gandhi Government of India. The largest cannon in the world installed at this formidable fort is a product of the canon foundry that it once had on its premises. For close to 100 years, it has drawn tourists from all over the world. This time though, thousands of tourists, who thronged to this fort were driven by 'art in every heart', a Vedanta group slogan, that was also the Presenting Sponsor of the three-day Jaigarh Heritage Festival (JHF).

Curated by Teamworks of the JLF fame, Sanjoy Roy, its founding Managing Director, when being congratulated for this cultural extravaganza, good-naturedly said, "Oh, I'm always up to some mischief" and what a mischief it was! Its sheer scale and diversity of content was both impressive and immersive.

Different art forms of India were showcased. There could not have been a better end to the year, that was going by, for the culturally evolved city of Jaipur.

There is no denying that the JHF fostered appreciation and showcased India's rich heritage. It also provided a platform for organic jelling of modernity with living traditions, a dire need that successive governments have endorsed but have lacked the will to put their money where their mouth is.

The fort terraces and courtyards came alive with morning ragas and Dhrupad, followed by panel discussion and talks. At the panel discussion on Jaipur's cultural identity 'Jaipurnama', all speakers were unanimous in expressing their anguish at the Pink City fast losing its character. To quote 'Tripti Pandey, one of the panelist at the session, "The ugly concrete structures spread all over the city, that the



government has built, are not only killing the Jaipur skyline but are an eyesore to every Jaipurite."

The various sessions and the cultural performances were, of course, a "brave attempt to liven the fort, but the organisers certainly need to review the dates for future editions," says the travel writer. She is not the lone voice expressing the dire need to review the timing of the fest. Granted, the stakeholders must have been encouraged to take advantage of the heavy tourist influx at the end of the year that Jaipur always witnesses but it also made confusion more confounded. Many gasped for breath telling you that it had taken them almost 3-4 hours to reach the venue. Also, the weather tends to play the spoil sport, it is customary for the 'mawar' showers, virtually

mantra from the heaven, to pour at this time of the year. Jaigarh Fort's location, not being easily approachable, the arduous uphill drive makes

it impossible for enthusiasts to have a break during the day. Said a bureaucrat, "We had thought going home in the afternoon and coming back for the evening performance, but looking at the traffic snarls and the hours it has taken us from home to the fort made us change our minds." Many like him had to leave early because the two most sought performances were too late. Of course, Char Bagh, the venue for Kailash Kher, the Bollywood Sufi singer, was chock-a-block full but only the shake-a-leg generation or yuppies could make it. Said another music lover, "You know, it's one thing to have a wedding function at Jaigarh Fort, where all your comforts have been taken care of, but public performances, at this late hour in this bone-chilling weather, are a different ball game."

The jury on the three-day festival is that the dates need to be looked into and also the performances should be scheduled for early. The workshops on different arts, whether on a *nagara* or *kathak* too, were a welcome feature if we have to catch 'em young. I think like everything else, the venue of the festival was a double-edged tool. The sheer effort of getting to Jaigarh on a cold frosty morning and the distance must have kept the rowdy raucous crowd out. Also, the green corps of the city have expressed their concern about music blabbing at full blast and high voltage lighting and its fallout on the ecosystem. The concerned government departments must have given all the necessary permissions, needed to roll out this festival. Think about it, which bureaucrat in his right mind will refuse in the present scenario? The steel frame of India lost its backbone many eons ago! Rima Hojja, an Archaeologist and a panelist, at one of the sessions, said, "It is important to look into the future and ask whether fifty years down the line, at this rate, will we have heritage sites left for posterity?"

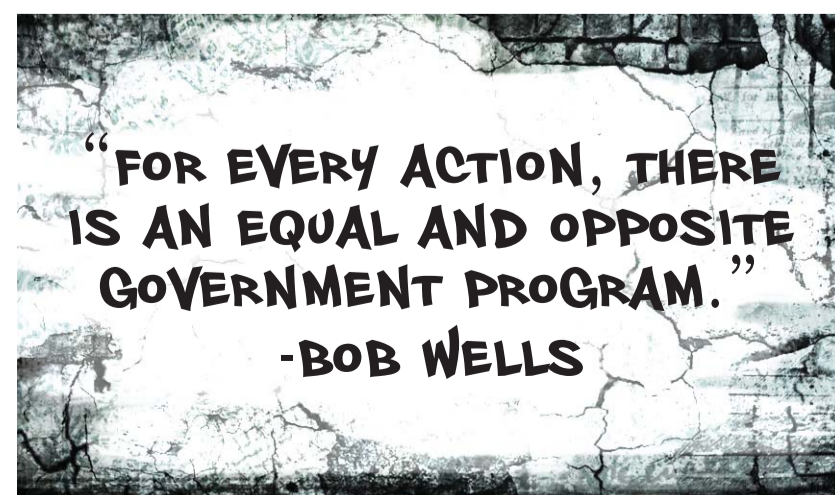
Padmanabh, the young 26 year old erstwhile Maharaja of Jaipur, has the vim and the vigour to look into issues that have since gripped the city. The JHF is seen as his brainchild. He is important enough to address the issues and blessed with an ability to deliver a more citizen and eco-friendly Jaigarh Heritage festival. May the New Year usher in mindful leisure and responsible tourism for all of us!

it impossible for enthusiasts to have a break during the day. Said a bureaucrat, "We had thought going home in the afternoon and coming back for the evening performance, but looking at the traffic snarls and the hours it has taken us from home to the fort made us change our minds." Many like him had to leave early because the two most sought performances were too late. Of course, Char Bagh, the venue for Kailash Kher, the Bollywood Sufi singer, was chock-a-block full but only the shake-a-leg generation or yuppies could make it. Said another music lover, "You know, it's one thing to have a wedding function at Jaigarh Fort, where all your comforts have been taken care of, but public performances, at this late hour in this bone-chilling weather, are a different ball game."

The workshops on different arts, whether on a *nagara* or *kathak* too, were a welcome feature if we have to catch 'em young. I think like everything else, the venue of the festival was a double-edged tool. The sheer effort of getting to Jaigarh on a cold frosty morning and the distance must have kept the rowdy raucous crowd out. Also, the green corps of the city have expressed their concern about music blabbing at full blast and high voltage lighting and its fallout on the ecosystem. The concerned government departments must have given all the necessary permissions, needed to roll out this festival. Think about it, which bureaucrat in his right mind will refuse in the present scenario? The steel frame of India lost its backbone many eons ago! Rima Hojja, an Archaeologist and a panelist, at one of the sessions, said, "It is important to look into the future and ask whether fifty years down the line, at this rate, will we have heritage sites left for posterity?"

By Jerry Scott & Jim Borgman

## THE WALL



## BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

## ZITS



# पावटा प्रागपुरा पालिका की बैठक का पार्षदों ने बहिष्कार किया

## पार्षदों ने चेयरमैन व अधिकारियों पर मनमानी का आरोप लगाया

पावटा (निर्स)। 23 जनवरी 2023 बाद गुरुवार को विधायक कुलदीप धनकड, उपखंड अधिकारी कपिल उपाध्याय, चेयरमैन उर्मिला अग्रवाल, अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीणा द्वारा बुलाई गई नगर पालिका पावटा प्रागपुरा की बैठक का पार्षदों ने पालिका प्रशासन पर मनमानी का आरोप लगाते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया।

नगरपालिका वाइस चेयरमैन अशोक सैनी, नरपत सिंह ने कहा कि गुरुवार को आयोजित बैठक का पार्षदों ने बहिष्कार किया है। पार्षदों ने नगरपालिका के चेयरमैन व अधिकारियों पर मनमानी से कार्य करने का आरोप लगाया। पार्षदों ने कहा कि इसके चलते शहर में विकास कार्य ठप हो रहा है। पार्षदों ने कहा कि 23 जनवरी 2023 के बाद यह बैठक बुलाई गई है। इससे साफ जाहिर होता है कि



पार्षदों ने बैठक का बहिष्कार कर नारेबाजी की।

चेयरमैन व अधिकारी विकास को लेकर गंभीर नहीं है। पालिका क्षेत्र में सभी विकास कार्य ठप पड़े हैं। मगर इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है अगर जिम्मेदारी लेगा तो कौन लेगा। पार्षदों को 15 महीनों से मानदेय नहीं दिया गया है। पट्टे देने में पक्षपात किया जा रहा है। जिस कर्मचारी को ईओ के फर्जी सिग्नेचर करने पर हटाया गया था उसे

पुनः पालिका में लगा दिया गया है जिसे हटाया जाए। जिन कामों में नगरपालिका में भ्रष्टाचार हुआ था व पार्षदों ने धरना प्रदर्शन कर जापन भी सोंपा था, उन पर कार्यवाही की जाए। वही चेयरमैन, अधिकारियों द्वारा पार्षदों का मान-सम्मान नहीं किया जाता है।

पार्षदों ने बताया कि नगरपालिका की बैठक में रखे गए एजेंडे पर काम

ही नहीं होता है। इसके कारण बैठक में जाने का कोई भी फायदा नहीं है। नगरपालिका अध्यक्ष की मनमानी के चलते पार्षदों की सुनी नहीं जाती है। इसी वजह से बैठक का बहिष्कार किया गया है। उन्होंने कहा कि जनता हमसे सवाल करती है कि अभी तक क्या कार्य हुआ। बैठक बहिष्कार में वाइस चेयरमैन अशोक सैनी, नरपत

23 जनवरी 2023 के बाद गुरुवार को बुलाई गई थी पालिका की बैठक

सिंह, पार्षद मोदुराज जाट, संजय सैन, राजू शर्मा, संवरमल, विजय गुप्ता, श्याम सिंह शेखावत, विश्वम्भर दयाल मेहरा, मिट्टू शर्मा, सलोनी देवी, जगदीश ओला राकेश मीणा, प्रियंका अग्रवाल, मणि देवी, मोनिका शर्मा, महेंद्र रैगर, सुनीता जाजोरिया, गिरधारी लाल शर्मा, कुंदनलाल स्वामी, गुल्लाराम यादव, संदीप मीणा, महेंद्र वर्मा, मनोज चावला, झावर मल स्वामी, मुकेश पटवा, कमला यादव, श्याम सिंह, मुकेश कंवर, राजेंद्र पारीक, शर्मिला देवी, संजू यादव, पिंठू यादव, मीरा देवी, आशा देवी आदि पार्षद मौजूद रहे।

# भरतपुर में घना कोहरा छाया, विजिबिलिटी 50 मी. तक रही

## वाहन चालकों को दिन में भी लाइट जलानी पड़ी



भरतपुर में नए साल के दूसरे दिन भी घना कोहरा छाया रहा।

भरतपुर, (निर्स)। नए साल के दूसरे ही दिन शहर और बाहरी इलाकों में घना कोहरा देखने को मिला। कोहरे के कारण विजिबिलिटी महज 50 मीटर तक रही। कोहरे के कारण वाहनों की रफ्तार पर लगाम लग गई। हालत यह थी कि दोपहर तक लोग वाहनों की लाइट जलाकर अपने वाहन चलाने को मजबूर थे। सुबह से ही गलन ने लोगों का जीवन बेहाल कर दिया। लोग सर्दी दूर करने के लिए अलाव का सहारा लेते दिखाई दिए। नए साल के पहले दिन

लोगों ने सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा लिया

जिले भर में कड़ाके की धूप निकली थी, जिससे लोगों को एहसास हो गया था कि अगले दिन सुबह घना कोहरा आएगा और हुआ भी वैसा ही। नए साल की शाम होते-होते सर्दी बढ़ गई और रात से ही कोहरा पड़ना शुरू हो गया। सुबह पूरा शहर घने कोहरे की चादर में छिपा नजर आया। घने कोहरे

के चलते गलन भी बढ़ गई। लोगों ने सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा लिया। सुबह सड़कों पर सन्नटा पसरा हुआ था। सर्दी के कारण लोग घरों से बाहर निकलने में भी परहेज कर रहे थे। सुबह के समय पेड़ों पर ओस की बूंदें भी जमी दिखाई दीं। मौसम विभाग ने पहले ही घना कोहरा पड़ने का येलो अलर्ट जारी किया था। तापमान 11 डिग्री सेल्सियस तक आंका जा रहा है। इससे पहले तापमान 15 डिग्री तक आंका गया था।

# ट्रक से चबूतरा टूटने की बात पर हुए विवाद ने साम्प्रदायिक रूप लिया

उदयपुर, (कासं)। जिले के डबोक थाना क्षेत्र में ट्रक से चबूतरा टूटने की मामूली बात ने साम्प्रदायिक रूप ले लिया और तनाव की स्थिति हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने सम्प्रदाय विशेष के ट्रक ड्राइवर के घर पर पहुंचे तोड़फोड़ करते हुए वाहन भी क्षतिग्रस्त कर दिए। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में बताया है, जब कि इलाके में तनाव बरकरार है।

जानकारी के अनुसार बाटेडा की सराय स्थित एक गली में प्रेमलाल गौड़ का घर है। संकरी गली में वाहनों के कारण घर के बाहर बना रैप टूट न जाए, इसलिए प्रेमलाल ने रैप के आगे कुछ पत्थर भी लगा रखे थे। बीती रात क्षेत्रीय निवासी ड्राइवर आजाद खान ट्रक लेकर गली से

कुछ ग्रामीण चालक घर पहुंचे और वहां घर व वाहनों के साथ तोड़फोड़ की

पुलिस को देखकर तोड़फोड़ करने गए ग्रामीणों ने पुलिस पर भी पथराव किया, फरार हुए

गुजरा, इस दौरान ट्रक का पहिया रैप पर चढ़ा और रैप टूट गया। इस बात पर आजाद खान और प्रेमलाल में झगड़ा हो गया और मारपीट की नौबत आ गयी। ग्रामीण इकट्ठा होते, इससे पहले आजाद खान वहां से भाग गया। आरोप है कि आजाद ने बीच-बचाव में आए प्रेमलाल के बेटे-बेटी से भी मारपीट की है। सुबह घटनाक्रम का पता चला तो ग्रामीण इकट्ठे हो गए, आजाद की गिरफ्तारी की मांग कर विरोध किया और प्रेमलाल ने पुलिस

को रिपोर्ट दी। इस दौरान कुछ आक्रोशित ग्रामीण आजाद के घर पहुंचे और वहां घर व वाहनों के साथ तोड़फोड़ की। मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर तोड़फोड़ करने गए ग्रामीणों ने पुलिस पर भी पथराव किया और फरार हो गए। पुलिस ने मौके से तोड़फोड़ करने पहुंचे युवाओं के वाहन बाइक जब्त की है और 7-8 लड़कों को डिटेन किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के अनुसार मौके पर स्थिति

नियंत्रित है, तोड़फोड़ करने वाले कुछ लोगों को डिटेन किया गया है। बीती रात गांव की एक गली में घर के बाहर बना रैप वहां से गुजर रहे ट्रक के कारण टूट गया था। इस पर ट्रक चालक आजाद और घर मालिक के बीच कहासुनी, झड़प हो गयी थी। सुबह घर मालिक प्रेमलाल ने पुलिस को बीती रात हुए घटनाक्रम की रिपोर्ट दी और आजाद की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस कुछ करती इससे पहले कुछ ग्रामीणों ने आजाद के घर पहुंचकर तोड़फोड़ करने का प्रयास किया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने माहौल शांत किया। पुलिस को देखकर तोड़फोड़ करने पहुंचे युवा वहां से भाग गए, जिनकी गाड़ियां जब्त की हैं और कुछ लोगों को डिटेन किया है।

# चोरी का डम्पर ट्रौला बरामद, आरोपी फरार

सांभरझील, (निर्स)। मौजामाबाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चोरी हुए डंपर ट्रौला को महज 24 घंटे में बरामद कर लिया। आरोपियों को पुलिस टीम आने की भनक लगते ही वहां से ट्रौला को छोड़कर फरार हो गये जिनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा ने बताया है कि चोरी की घटना को लेकर दयाराम पुत्र ताराचन्द कुमावत निवासी उरगियावास थाना मौजामाबाद ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि मेरे चाचाजी के लड़के मेघराज कुमावत का डम्पर ट्रौला को चालक ने बोरज में सज्जन विहार कॉलोनी में खड़ा किया था। हमारे मुनीम ने फोन किया कि डम्पर गाड़ी नहीं है, जिस पर जाकर देखा तो डम्पर ट्रौला नहीं मिला। उक्त ट्रौला डम्पर को रात्रि में कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। इस रिपोर्ट पर अभियोग पंजीबद्ध कर अनुसंधान शुरू किया गया। चोरी हुए वाहन की बरामदगी हेतु शिवलाल बैक्वा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू व दीपक खण्डेलवाल, वृत्ताधिकारी दूदू के निकटतम सुपरविजन में तथा थानाधिकारी मौजामाबाद संजय प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गटित टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा प्रकरण में चोरी किये गये डम्पर ट्रौला नंबर को केकड़ी सरवाड़ अजमेर रोड़ इलाका थाना हुनुमान नगर जिला भीलवाड़ा से बरामद किया।

# सु.वि.वि. के कर्मचारियों ने हड़ताल का एलान किया

उदयपुर, (कासं)। राज्य सरकार की ओर से बनाये गए राजस्थान कॉन्ट्रैक्टुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल-2022 को लागू करने और पूर्व प्रक्रिया एस्पेक्टिवी के तहत सेवाविस्तार के आदेश जारी कराने की मांग को लेकर कर्मचारियों ने गुरुवार से आंदोलन का एलान कर दिया। कर्मचारी संगठन के

अध्यक्ष नारायणलाल सालवी ने बताया कि करीब 300 कर्मचारियों ने प्रशासनिक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और हड़ताल पर रहे। दिनभर नारेबाजी चलती रही। हड़ताल से सभी प्रमुख काम ठप रहे, टीसी माइग्रेशन सहित कई जरूरी कार्यों के लिए बाहर से आए छात्रों को बहुत परेशानी हुई।

# कार तालाब में गिरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के समीप बड़ी तालाब में अनियंत्रित कार जा गिरी। हादसे में उसमें सवार सभी को बाहर निकाल चिकित्सालय पहुंचाया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। शहर के भ्रमण के लिए आए एमपी निवासी आदित्य परिहार, आकाश जयपुर निवासी राजेंद्र सिंह साथियों के साथ शहर भ्रमण के लिए आए थे, जहाँ बुधवार सांय बाहुबली हिल से वापस लौट रहे थे, जहाँ बीच रास्ते में कार अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरी।



अजमेर : चांद दिखाई देने के साथ ख्वाजा गरीब नवाज के 8 1 3 वें सालाना उर्स में धार्मिक रस्मों के साथ उर्स की पारंपरिक शुरूआत हो गई, इसके साथ ही दरगाह में चांद पेश करने का सिलसिला शुरू हो गया। गुरुवार को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार, क्षेत्रीय मंत्री खिराम पासवान के साथ फिल्म उद्योग से जुड़े हुए कलाकारों की ओर से भेजी गई प्रतिनिधियों ने अपने खादिमों के साथ मजार पर चांद पेश कर देश व दुनिया में अमन चैन, भाईचारागी और खुशहाली की दुआ की।

# कोटा से लबान तक वंदे भारत स्लीपर रैक का ट्रायल किया

कोटा, (निर्स)। मंडल में अनुसंधान अधिकृत मानक संगठन, लखनऊ टीम

30 किलोमीटर की दूरी को 180 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से परीक्षण किया

परिचालन विभाग के सहयोग से 31 दिसम्बर से वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर रैक का ट्रायल कर रही है। यह ट्रायल वंदे भारत स्लीपर रैक के विभिन्न तकनीकी मानकों के विश्लेषण के लिए किया जा रहा है, जिसमें कपलर फोर्स, एयर सर्पेशन, ब्रेकिंग सिस्टम, घुमाव ट्रैक पर गति इत्यादि का परीक्षण शामिल है।

वंदे भारत स्लीपर रैक का ट्रायल 31 दिसम्बर को रोहल खुर्द-चौमहला के बीच यात्री के बराबर वजन रखकर लोडेड स्थिति में अधिकतम 130, 140 एवं 150 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से कोटा-नागदा खण्ड पर अप लाइन पर किया गया। एक जनवरी को इस रैक का ट्रायल लोडेड सीरीज के लिए कोटा-नागदा खण्ड पर रोहल खुर्द-चौमहला के बीच 160 किमी प्रति घंटा, रोहल खुर्द-विक्रमगढ़ आलोट के बीच 170 किमी प्रति घंटा एवं रोहल



कोटा से लबान तक वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की रफ्तार का ट्रायल हुआ।

खुर्द से कोटा तक 40 किलोमीटर की दूरी को 180 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से परीक्षण किया गया। वंदे भारत स्लीपर रैक के ट्रायल के तीसरे दिन दो जनवरी को लोडेड अवस्था में कोटा-सवाई

माधोपुर खण्ड पर कोटा से लबान 30 किलोमीटर की दूरी को 180 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से परीक्षण किया गया। इस वन्दे भारत स्लीपर रैक का ट्रायल पूरे जनवरी माह तक आरडीएसओ टीम

के निर्देशन में किया जाएगा। इस ट्रायल में के मुवमेंट इंस्पेक्टर सुशील जेटवानी एवं लोको निरिक्षक आर एन मीना ने आरडीएसओ लखनऊ टीम के साथ को-आर्डिनेट किया।

# शाहपुरा जिला बचाने के लिए वकील समुदाय आंदोलन करेगा

शाहपुरा, (निर्स)। जिले को बचाने और इसके अस्तित्व की रक्षा के लिए वकीलों ने कमर कस ली है। शाहपुरा अधिभाषक संस्था ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से आंदोलन शुरू करने का फैसला लिया। यह कदम उठा प्रस्ताव के विरोध में उठाना गया है, जिसमें जिले को राजस्थान सरकार ने खत्म कर दिया है। शाहपुरा अधिभाषक संस्था के अध्यक्ष दुर्गालाल राजोरा ने कहा कि जिला हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर है। इसे खत्म करना न केवल यहां के नागरिकों के अधिकारों का हनन होगा, बल्कि स्थानीय विकास पर भी गहरा असर पड़ेगा। प्रकटा दीपक पारीक ने गुरुवार को अदालत परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और सरकार से मांग की कि जिले को संरक्षित रखा जाए। शाहपुरा अधिभाषक संस्था ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को नहीं माना गया, तो वे बड़े स्तर पर

शाहपुरा अधिभाषक संस्था ने बैठक में सर्वसम्मति से आंदोलन शुरू करने का फैसला लिया

प्रदर्शन करेंगे और शाहपुरा जिले के नागरिकों व संस्थाओं को भी इस आंदोलन में शामिल करेंगे। शाहपुरा अधिभाषक संस्था ने घोषणा की है कि 3 व 4 जनवरी को न्यायीयक कार्य का बहिष्कार कर जिले कि बड़ी बैठक आयोजित कि जायेगी। बैठक में जिले के अन्य अग्रिम संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के शामिल किया जायेगा। आंदोलन को विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों का भी समर्थन मिलने लगे इसके लिये इसकी जनचेतना अभियान कि तरह कार्य किया जायेगा। स्थानीय व्यापार मंडल, किसान संगठन और छात्रसंघ को भी

इस मुद्दे पर वकील साथ लेकर चलेंगे। राजस्थान उच्च न्यायालय में रिट के लिये भी आवश्यक दस्तावेज जुटाने की तैयारी की जायेगी। वहीं अधिवक्ताओं ने सरकार से अपील की है कि वे जिले के खत्म करने के निर्णय पर पुनर्विचार करें। उन्होंने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों को नजरअंदाज करती है, तो वकील उठा आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जिला बचाओ आंदोलन धीरे-धीरे एक जन आंदोलन का रूप स्थापित करने का आगाज किया। बैठक का संचालन तेजप्रकाश पाठक ने किया व वरिष्ठ अधिवक्ता त्रिलोकचन्द नीलखा, अनील शर्मा, संजय हाडा, कन्हैयालाल धाकड़, हितेश शर्मा, अंकीत शर्मा, लालाराम गुज्जर, प्रियेश यादव, गणपत बंजारा, राहुल पारीक, सोहेल खान, आशीष भारद्वाज, कैलाश धाकड़, गजेन्द्र सिंह, कमलेश मुण्डैतिया ने विचार रखे।

# एक परिवार के 11 सदस्यों ने देहदान का संकल्प लिया

कोटा, (निर्स)। कोटा में नेत्रदान और रक्तदान को लेकर बेहद ही जागरूकता देखने को मिलती है और इसी क्रम में टीम जिवनदाता अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। नई पहल करते हुए उन्होंने एक साथ 11 लोगों ने देहदान का संकल्प पत्र न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के शरीर रचना विभाग की विभाग अध्यक्ष प्रतिमा जायसवाल की उपस्थिति में भरा।

टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक व लायन क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि उनके पिता प्रेमचंद गुप्ता की प्रेरणा से यह कार्य किया गया है और संभवतः यह प्रदेश का पहला मामला है जब एक साथ एक ही परिवार के 11 लोगों ने देहदान का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि इसकी अक्षरत पालन की जाएगी और पूरा प्रयास किया जाएगा कि और भी लोग देहदान का संकल्प प्रशंसा की। प्राचाय मेडिकल कॉलेज कोटा डॉ. संगीता सक्सेना ने कहा कि कोटा में इस तरह का यह पहला



कोटा में सभी देहदानी संकल्प पत्र भरने वालों का तिलक लगाकर माल्यार्पण कर सम्मान किया गया।

लागाकर माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। वहीं मेडिकल कॉलेज कोटा की ओर से सभी को प्रशस्ति पत्र व संकल्प पत्र सौंप गए और इस सेवा कार्य की प्रशंसा की। प्राचाय मेडिकल कॉलेज कोटा डॉ. संगीता सक्सेना ने कहा कि कोटा में इस तरह का यह पहला

मामला है और इतने लोग यदि एक साथ संकल्प पत्र भरकर इसकी पालना करते हैं तो यह बेहद ही सराहनीय कार्य है। इस तरह का कार्य प्रदेश में अब तक देखने को नहीं मिला है। यह लोगों के लिए प्रेरणास्त्र होगा।

एनाटॉमी विभाग की

विभागाध्यक्ष प्रतिमा जायसवाल ने कहा कि यह एक सराहनीय पहल है, इस तरह से यदि जागरूकता आएगी तो मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले एम्बीबीएस स्टूडेंटों को बेहद सहायता मिलेगी। मां भारती जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के उपाध्यक्ष दिनेश

संभवतः यह प्रदेश का पहला मामला है जब एक साथ एक ही परिवार के 11 लोगों ने देहदान का संकल्प लिया है

विजय ने कहा कि कोटा में शिक्षा के साथ ही सेवा का जज्बा भी देखने को मिलता है और देहदान के क्षेत्र में इतना बड़ा कदम लोगों के लिए उदाहरण बनेगा। इस कार्य को देखकर और भी लोग आगे आएंगे तो मेडिकल के क्षेत्र में नई क्रांति आयेगी। इस अवसर पर एनाटॉमी विभाग के स्टॉफ, गुप्ता परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। देहदान का संकल्प लेने वालों में भुवनेश गुप्ता, शकुंतला गुप्ता, डॉ. क्षिप्रा गुप्ता, रामस्वरूप गुप्ता, गीता गुप्ता, रवींद्र गुप्ता, हेमेश गुप्ता, अनिल गुप्ता गुप्ता, भूमिका गुप्ता, अमित गुप्ता, अंकित गुप्ता ने देहदान का संकल्प लिया।









